Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-18, अंक-06 16-31 मार्च, 2023 (पाक्षिक) ₹20

विजय संकल्प रथयात्रा का शुभारंभ

पूर्वोत्तर में खिला कमल

हनूर, चामराजनगर (कर्नाटक) में 01 मार्च, 2023 को
विजय संकल्प रथयात्रा के दौरान जनाभिवादन स्वीकार करते
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और अन्य वरिष्ठ नेतागण

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 26 फरवरी, 2023 को
'मन की बात' कार्यक्रम को सुनते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा,
भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष और अन्य वरिष्ठ नेतागण

हनुमानगढ़ (राजस्थान) में 24 फरवरी, 2023 को सिख समुदाय द्वारा
आयोजित 'किसान संगत अभिनंदन समारोह' के दौरान
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

पटना (बिहार) में 25 फरवरी, 2023 को स्वामी सहजानंद सरस्वती जी की
जयंती के अवसर पर 'किसान–मजदूर समागम' को संबोधित करते
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

सतना (मध्यप्रदेश) में 24 फरवरी 2023 को शबरी माता जन्म जयंती पर
'कोल जनजाति महाकुंभ' का उद्घाटन करते केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता
मंत्री श्री अमित शाह एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

बेलगावी (कर्नाटक) में 2 मार्च, 2023 को 'विजय संकल्प यात्रा' की
शुरुआत करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **शानदार जीत के साथ राजग ने त्रिपुरा, नागालैंड एवं मेघालय में बनाई सरकार**
पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, नागालैंड एवं मेघालय में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार सफलता प्राप्त की। भाजपा ने अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ त्रिपुरा और नागालैंड, दोनों राज्यों में स्पष्ट बहुमत हासिल सरकारें बनाईं। मेघालय में भाजपा अकेले चुनाव लड़ी थी, लेकिन उसने...

08 **'माणिक साहा ने दूसरी बार त्रिपुरा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली'**
डॉ. माणिक साहा ने अगरतला स्थित स्वामी विवेकानंद मैदान में आठ मार्च, 2023 को...

18 **'प्रधानमंत्री मोदीजी ने की आदिवासियों के कल्याण की सबसे अधिक चिंता : जगत प्रकाश नड्डा'**
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक मार्च, 2023...

19 **किसान संगत अभिनंदन समारोह, हनुमानगढ़ (राजस्थान)**
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 24 फरवरी, 2022 को राजस्थान के हनुमानगढ़ में सिख समाज द्वारा...

32 **प्रधानमंत्री ने जी-20 के विदेश मंत्रियों की बैठक को किया सम्बोधित**
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो मार्च को वीडियो संदेश के माध्यम से जी-20 के विदेश मंत्रियों की बैठक को सम्बोधित...

संसद में भाषण

हमारी सरकार राष्ट्र के प्रति वचनबद्ध है / **डॉ. के लक्ष्मण** 30

साक्षात्कार

'डबल इंजन' सरकार ने त्रिपुरा में भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त किया: **माणिक साहा** 16

श्रद्धांजलि

भाजपा के वरिष्ठ नेता सोहन पोटाई नहीं रहे 25

अन्य

अब पूर्वोत्तर न दिल्ली से दूर है और न दिल से: नरेन्द्र मोदी 11
यह पूर्वोत्तर के विकास के प्रति मोदीजी के विजन की जीत है: जगत प्रकाश नड्डा 13
विजय संकल्प रथ यात्रा (कर्नाटक) 20
प्रधानमंत्री ने बिल गेट्स से की मुलाकात 21
'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' के तहत लगभग 16,000 करोड़ रुपये की 13वीं किस्त जारी 22
हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से 70 एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर विमान की खरीद को मिली मंजूरी 24
फरवरी, 2023 में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 12 प्रतिशत बढ़कर 1,49,577 करोड़ रुपये रहा 25
मोदी स्टोरी 26
कमल पुष्प 26
'मन की बात' 33

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

भारतीय जन औषधि परियोजना की उपलब्धियां काफी संतोषप्रद हैं। इससे न केवल इलाज के खर्च को लेकर देश के करोड़ों लोगों की चिंताएं दूर हुई हैं, बल्कि उनका जीवन भी आसान हुआ है।

(7 मार्च, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मैं समस्त नारी शक्ति को नमन करता हूं। आपकी दृढ़ता, साहस व समर्पण ने सृष्टि को गतिशीलता प्रदान की है। देश विभिन्न क्षेत्रों में आपके योगदान से गौरवान्वित है। हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

(8 मार्च, 2023)

अमित शाह

एक जमाने में कश्मीर में बम धमाके, हड़ताल व पत्थरबाजी होती थी, लेकिन आज मोदीजी के नेतृत्व में आये बदलाव से यहां के युवाओं के हाथ में पुस्तकें और लैपटॉप के साथ स्टार्टअप के लिए नई सोच है और वे विश्व के युवाओं को चुनौती देने की क्षमता रखते हैं। (2 मार्च, 2023)

राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के चलते आज देश के आम नागरिकों के लिए सस्ती दरों पर दवाएं उपलब्ध हैं, जिससे इलाज में लोगों को बहुत सहूलियत मिली है।

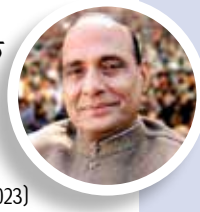

(7 मार्च, 2023)

बी.एल. संतोष

त्रिपुरा भाजपा के विधायक दल के नेता और मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर चयन के लिए डॉ. माणिक साहा एवं यानथुंगो पैटन को नागालैंड भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में चुने जाने पर बधाई।

(8 मार्च, 2023)

सुधा यादव

अतुलनीय विश्वास, सहयोग तथा समर्थन के लिए मेघालय, त्रिपुरा और नागालैंड की देवतुल्य जनता का कोटि-कोटि आभार। पूर्वोत्तर ने मोदीजी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर में हुए विकास पर मुहर लगा दी है।

(2 मार्च, 2023)

संपादकीय

नए भारत के प्रति जनादेश

उत्तर-पूर्व के राज्यों में हाल ही में हुए चुनावों में जनता ने एक बार पुनः भाजपा को अपने आशीर्वाद से सुशोभित किया है। त्रिपुरा, नागालैंड एवं मेघालय के चुनाव परिणाम यह दर्शाते हैं कि देश की राजनीति में आज व्यापक परिवर्तन हुआ है और अब विकास एवं 'परफॉर्मेंस' की राजनीति को पूरे देश में भारी जनसमर्थन मिल रहा है। यह तथ्य उत्तर-पूर्व राज्यों, जिन्होंने लंबे समय तक विभाजन, अलगाव एवं हिंसा का सामाना किया है, के संदर्भ में और भी अधिक प्रासंगिक है। उत्तर-पूर्व, जिसके बिगड़ते हालात से पूरा देश चिंतित था पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व में शांति, विकास एवं प्रगति का नया प्रतिमान गढ़ रहा है। भाजपा/राजग के सरकारों को उत्तर-पूर्व के लगभग सभी राज्यों में पुनः चुना जाना इस बात को इंगित करता है कि भाजपा इस क्षेत्र में जन-जन के हृदय में अपना स्थान बनाने में सफल हुई है। यह परिवर्तन उत्तर-पूर्व में जनकल्याण एवं जनसेवा के लिए अथक परिश्रम, अनवरत प्रयास, दूरदृष्टि एवं जनता की भलाई के प्रति अटूट संकल्प का परिणाम है।

> **त्रिपुरा, नागालैंड एवं मेघालय के चुनाव परिणाम यह दर्शाते हैं कि देश की राजनीति में आज व्यापक परिवर्तन हुआ है और अब विकास एवं 'परफॉर्मेंस' की राजनीति को पूरे देश में भारी जनसमर्थन मिल रहा है**

त्रिपुरा, नागालैंड एवं मेघालय के चुनाव परिणाम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं समर्पित नेतृत्व तथा भाजपा के कार्यक्रमों एवं नीतियों पर जनता के पूर्ण विश्वास को दर्शाता है। आज जब उत्तर-पूर्व में शांति, सद्भावना, विकास एवं प्रगति का दौर आया है, हिंसा, ब्लॉकेड, उग्रवाद एवं खून-खराबा के दिन लद गए हैं। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन-जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि उन्होंने स्वयं 50 बार से अधिक इस क्षेत्र का दौरा किया तथा हर पखवाड़े उत्तर-पूर्व में कम से कम एक केंद्रीय मंत्री का प्रवास होता रहा है। एक ओर जहां बोडो समझौता, ब्रू-रियांग समझौता उग्रवादियों द्वारा समर्पण एवं उनका पुनर्वास से अफस्पा कई क्षेत्रों से हटाया गया, वहीं 'हीरा' जैसी अवधारणा से पूरे उत्तर-पूर्व को वास्तविक अर्थों में 'अष्टलक्ष्मी' का रूप दिया जा रहा है। कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार एवं मोदी सरकार के दृष्टिकोण का अंतर इसी तथ्य से समझा जा सकता है कि जहां 2013-14 में पूरे क्षेत्र के लिए 2,030 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान था, वहीं आज 2023-24 में 5,892 करोड़ रुपए हो गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए 'पीएम-डिवाईन' के नाम से एक विशेष पहल की है जिसके लिए बजट 2023-24 में 2,200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह प्रमाणित करता है कि मोदी सरकार जिस प्रकार से पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र का कायाकल्प कर रही है, वैसा पूर्व में कांग्रेस शासन में कभी नहीं हुआ। कई अटकी एवं रूकी हुई परियोजनाओं को पूरा करने के साथ मोदी सरकार ने क्षेत्र में कई अभिनव योजनाओं को लागू किया है, जिससे इस क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो रहा है।

कांग्रेस सरकारों के निरंतर सौतेले व्यवहार के कारण उत्तर-पूर्व के लोगों को सरकारी योजनाओं से विश्वास डगमगा गया था, परंतु मोदी सरकार ने न केवल उनमें पुनः विश्वास जगाया बल्कि एक नए भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया। आज मोदी सरकार इस क्षेत्र की सभी आकांक्षाओं को पूर्ण कर रही है, लोगों की भावनाओं का सम्मान हो रहा है तथा वे 'अमृतकाल' में पूरे देश के साथ तीव्र विकास के पथ पर चलने को तैयार हैं। त्रिपुरा, नागालैंड एवं मेघालय का जनादेश सर्वसम्मति से 'नए भारत' के पक्ष में है तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा का गौरवगान है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

त्रिपुरा, नागालैंड एवं मेघालय विधानसभा चुनाव परिणाम

शानदार जीत के साथ राजग ने त्रिपुरा, नागालैंड एवं मेघालय में बनाई सरकार

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, नागालैंड एवं मेघालय में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार सफलता प्राप्त की। भाजपा ने अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ त्रिपुरा और नागालैंड, दोनों राज्यों में स्पष्ट बहुमत हासिल कर सरकारें बनाईं। मेघालय में भाजपा अकेले चुनाव लड़ी थी, लेकिन उसने नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी), जो राज्य में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, के साथ मिलकर सरकार बनाई।

त्रिपुरा
परिणाम स्थिति

60 निर्वाचन क्षेत्रों में से 60 की ज्ञात स्थिति

दल का नाम	विजयी	आगे	कुल
भारतीय जनता पार्टी	32	0	32
कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्सिस्ट)	11	0	11
इंडियन नेशनल कांग्रेस	3	0	3
इंडीजेनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा	1	0	1
टिपरा मोथा पार्टी	13	0	13
कुल	60	0	60

दलवार मत हिस्सेदारी

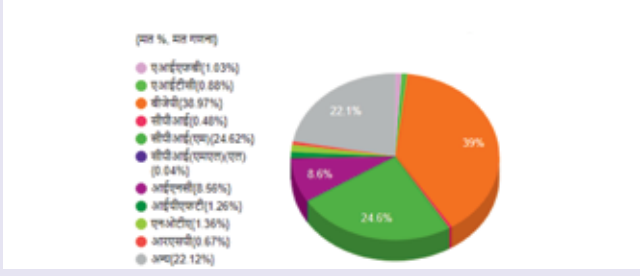

त्रिपुरा विधानसभा के लिए 16 फरवरी को मतदान हुआ था, जहां 28.14 लाख मतदाताओं में से 89.95 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। नागालैंड और मेघालय विधानसभाओं के लिए चुनाव 27 फरवरी को आयोजित किए गए थे और इन तीनों राज्यों के लिए परिणाम 2 मार्च, 2023 को घोषित किए गए।

भाजपा ने लेफ्ट-कांग्रेस गठबंधन और नवगठित टिपरा मोथा पार्टी को शिकस्त देते हुए त्रिपुरा में पुनः कमल खिलाया। राज्य की 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा और इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) को 40 प्रतिशत से अधिक मतों के साथ राज्य में 33 सीटों, भाजपा को 32 और आईपीएफटी को 1 सीट के साथ स्पष्ट बहुमत मिला। पहली बार चुनाव लड़ने वाली टिपरा मोथा पार्टी ने 13 सीटों पर जीत हासिल की।

इसी तरह, माकपा, जिसने 25 सालों तक राज्य में शासन किया, पिछली बार 16 की तुलना में केवल 11 सीटें जीत सकीं, जबकि कांग्रेस को केवल तीन सीटों से संतोष करना पड़ा। तृणमूल कांग्रेस ने 28 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था और चुनावों के लिए जमकर प्रचार किया था, लेकिन त्रिपुरा में उसका अपना खाता तक नहीं खुला और इसका वोट शेयर (0.88 प्रतिशत) नोटा से भी कम रहा।

पूर्व में पूर्वोत्तर के राज्य उग्रवाद, घुसपैठ, बंद, नाकाबंदी, तस्करी, भ्रष्टाचार और तनाव की समस्याओं से जूझते थे, लेकिन 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने

धन्यवाद त्रिपुरा! राज्य की प्रगति और स्थिरता के लिए यह वोट है। भाजपा त्रिपुरा राज्य के विकास पथ को बढ़ावा देने का कार्य जारी रखेगी। मुझे त्रिपुरा के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं पर जमीनी स्तर पर शानदार प्रयासों के लिए गर्व है।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

चुनावों में शानदार जीत के लिए त्रिपुरा भाजपा को हार्दिक बधाई। इस ऐतिहासिक जीत में हमारे समर्पित कार्यकर्ताओं, मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजीव भट्टाचार्य के अथक प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

- जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

पूरे पूर्वोत्तर को 'अष्टलक्ष्मी' का रूप देकर उसे विकास, कनेक्टिविटी और अधोसंरचना विकास का हब बनाया। अब श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में उत्तर-पूर्व आईटी, औद्योगिक विकास, खेल, निवेश और जैविक खेती का एक प्रमुख केंद्र बन गया है।

एक ओर, पिछले नौ वर्षों के दौरान हुए इस अनवरत विकास कार्य के चलते भाजपा के प्रति लोगों का समर्थन बढ़ा और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में त्रिपुरा में भाजपा की जीत सुनिश्चित हुई। वहीं, त्रिपुरा में माकपा का वोट शेयर पिछली बार के 42 प्रतिशत से घटकर 24.6 प्रतिशत हो गया।

नागालैंड

नागालैंड में 60 सदस्यीय राज्य विधानसभा के लिए भाजपा ने नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के साथ गठबंधन में 40:20 सीटों के बंटवारे के आधार पर चुनाव लड़ा और उसने 37 सीटों पर जीत हासिल की। नागालैंड में 27 फरवरी को लगभग 85.79 प्रतिशत मतदान हुआ। भाजपा ने 18.81 प्रतिशत मत के साथ 12 सीटें जीतीं, जबकि एनडीपीपी को 32.2 प्रतिशत मत के साथ 25 सीटें मिलीं। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी को महज 9 प्रतिशत मत के साथ 7 सीटें मिलीं। यह चुनाव राज्य के लिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि इसके इतिहास में पहली बार नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (NDPP) की दो महिला उम्मीदवारों श्रीमती सलहौतुओनुओ क्रूस और श्रीमती हेकानी जाखलू ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों से जीत हासिल की।

मेघालय

मेघालय की 59 सीटों वाली विधानसभा में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने 26 सीटों पर विजय प्राप्त की, जबकि भाजपा ने दो सीटों पर जीत हासिल की और राज्य में संयुक्त रूप से सरकार बनाई।

नागालैंड परिणाम स्थिति

60 निर्वाचन क्षेत्रों में से 60 की हुआ स्थिति

दल का नाम	विजयी	आगे	कुल
भारतीय जनता पार्टी	12	0	12
निर्दलीय	4	0	4
जनता दल (यूनाइटेड)	1	0	1
लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास)	2	0	2
नागा पीपुल्स फ्रंट	2	0	2
नेशनल पीपुल्स पार्टी	5	0	5
नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी	7	0	7
नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी	25	0	25
रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले)	2	0	2
कुल	60	0	60

दलवार मत हिस्सेदारी

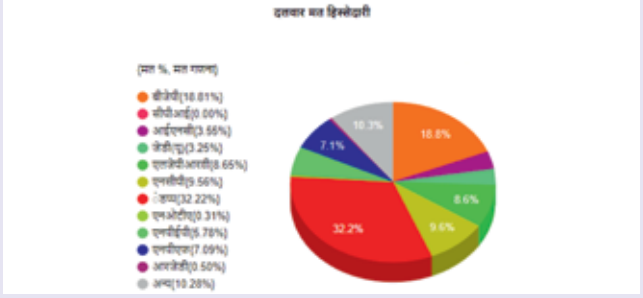

मेघालय परिणाम स्थिति

59 निर्वाचन क्षेत्रों में से 59 की हुआ स्थिति

दल का नाम	विजयी	आगे	कुल
आल इंडिया तृणमूल कांग्रेस	5	0	5
भारतीय जनता पार्टी	2	0	2
हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी	2	0	2
निर्दलीय	2	0	2
इंडियन नेशनल कांग्रेस	5	0	5
नेशनल पीपुल्स पार्टी	26	0	26
पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रन्ट	2	0	2
यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी	11	0	11
वॉइस ऑफ द पीपल पार्टी	4	0	4
कुल	59	0	59

दलवार मत हिस्सेदारी

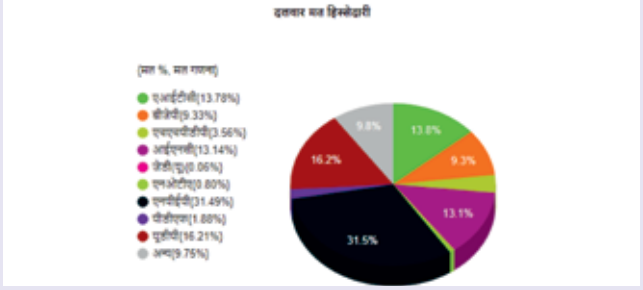

माणिक साहा ने दूसरी बार त्रिपुरा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

डॉ. माणिक साहा ने अगरतला स्थित स्वामी विवेकानंद मैदान में आठ मार्च, 2023 को लगातार दूसरी बार त्रिपुरा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

राज्यपाल श्री सत्यदेव नारायण आर्य ने जिन लोगों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई, उनमें निवर्तमान कैबिनेट के वरिष्ठ नेता और मंत्री सर्वश्री रतन लाल नाथ, प्राणजीत सिंघा रॉय, सनातन चकमा और श्री सुशांत चौधरी थे। इस बार मंत्रिमंडल में शामिल किए गए चार नए चेहरों में पहली बार के तीन विधायक, भाजपा के टिंकू रॉय और बिकास देबबर्मा और दूसरी बार के विधायक सुधांशु दास के अलावा सहयोगी इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) के शुक्ला चरण नोआतिया शामिल हैं।

इससे पहले डॉ. माणिक साहा को मुख्यमंत्री के रूप में भाजपा के सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से अपना समर्थन दिया। बाद में, डॉ. माणिक साहा ने त्रिपुरा के राज्यपाल से भेंट की और त्रिपुरा में सरकार बनाने का दावा प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुवाहाटी से अगरतला पहुंचे और शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्व सरमा ने एक ट्वीट में कहा, 'मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी को फोन किया और नई सरकार बनाने में उनका समर्थन और आशीर्वाद मांगा।' श्री सरमा ने आगे कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भाजपा की प्रदेश इकाई को मेघालय में अगली सरकार बनाने में नेशनल पीपुल्स पार्टी का समर्थन करने की सलाह दी है।

अन्य पार्टियों में यूडीपी को 11 सीटें मिलीं। टीएमसी और कांग्रेस को पांच-पांच सीटें प्राप्त हुईं, जबकि वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी ने चार सीटें जीतीं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट ने भी दो सीटें जीतीं। दो सीटों पर दो निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत हासिल की, जबकि एचएसपीडीपी को दो सीटों पर जीत मिली।

मैं नागालैंड की जनता को आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद देता हूं। राज्य की सेवा करने के लिए एनडीपीपी और नागालैंड भाजपा गठबंधन को एक और जनादेश मिला है। प्रदेश की प्रगति के लिए डबल इंजन की सरकार काम करती रहेगी। मैं अपने कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के लिए उनकी सराहना करता हूं, जिन्होंने यह परिणाम सुनिश्चित किया है।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

नागालैंड के लोगों का उनके समर्थन के लिए आभार, जिसके कारण भाजपा और एनडीपीपी गठबंधन की जीत हुई। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री श्री नेफ्यू रियो का शासन एक बार फिर प्रदेश में प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूते हुए शांति सुनिश्चित करेगा।

- जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

नागालैंड में शपथ ग्रहण समारोह

नेफ्यू रियो पांचवीं बार बने नागालैंड के मुख्यमंत्री

श्री नेफ्यू रियो ने पांचवीं बार नागालैंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल श्री ला गणेशन ने 7 मार्च, 2023 को कोहिमा स्थित कैपिटल कल्चरल हाल में श्री रियो को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके अलावा दो उप मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों समेत कुल 11 विधायकों ने शपथ ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शपथ ग्रहण समारोह में विशेष रूप से उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर राज्यों के दो दिवसीय दौरे पर कोहिमा पहुंचे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत नागालैंड के राज्यपाल श्री ला गणेशन एवं मुख्यमंत्री श्री नेफ्यू रियो के साथ ही अन्य वरिष्ठ नेताओं ने किया।

नागालैंड सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, असम के मुख्यमंत्री एवं नेडा के संयोजक डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू, मणिपुर के मुख्यमंत्री श्री एन. बीरेन सिंह सहित भाजपा के पूर्वोत्तर प्रभारी श्री संबित पात्रा उपस्थित थे।

एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन सरकार में मुख्यमंत्री श्री नेफ्यू रियो के साथ ही दो उपमुख्यमंत्रियों श्री वाई पाटन (भाजपा) एवं श्री टीआर जेलियांग (एनडीपीपी) ने भी शपथ ली। इसके अलावा अन्य 9 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। पहली बार नागालैंड में एक महिला विधायक को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। कुल मिलाकर एनडीपीपी के 7 और भाजपा के 5 विधायकों ने शपथ ली।

मेघालय में शपथ ग्रहण समारोह

दूसरी बार मेघालय के मुख्यमंत्री बने कोनराड संगमा

श्री कोनराड संगमा ने मेघालय के मुख्यमंत्री के रूप में दूसरी बार शपथ ली। राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 7 मार्च, 2023 को श्री संगमा को राजभवन में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री के साथ 11 अन्य विधायकों ने भी मंत्रीपद की शपथ ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शपथ ग्रहण समारोह में विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर के दो दिवसीय दौरे के दौरान मेघालय की राजधानी शिलांग पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री का स्वागत मेघालय के राज्यपाल श्री फागू चौहान, श्री कॉनराड संगमा के साथ ही अन्य वरिष्ठ नेताओं ने किया। इससे पहले गुवाहाटी पहुंचने पर प्रधानमंत्री का स्वागत असम के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा एवं असम सरकार के मंत्री ने किया।

मेघालय सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, असम के मुख्यमंत्री एवं नेडा के संयोजक डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग सहित भाजपा के पूर्वोत्तर प्रभारी श्री संबित पात्रा उपस्थित थे।

एनपीपी-भाजपा गठबंधन सरकार में मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के साथ ही 11 विधायकों ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इनमें एनपीपी के 8, यूडीपी के 2, भाजपा के 1 और एचएसपीडीपी के 1 विधायक ने मंत्री पद की शपथ ली। संगमा मंत्रिमंडल में एक महिला विधायक को भी मंत्री बनाया गया है।

त्रिपुरा, नागालैंड एवं मेघालय चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद, हजारों भाजपा नेता और कार्यकर्ता ढोल, रंग और मिठाइयां लेकर सड़कों पर उतरे और पूरे देश में भाजपा की जीत का जश्न मनाया। अगरतला में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री श्री माणिक साहा के आवास के सामने कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां बांटकर और ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचकर जीत का जश्न मनाया।

टाउन बारडोवाली सीट से जीते त्रिपुरा के मुख्यमंत्री श्री माणिक साहा ने इस जीत को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि लोगों ने कांग्रेस और वाम दलों को खारिज कर दिया, लेकिन हम अधिक सीटें जीतने की उम्मीद कर रहे थे। हम चुनाव के बाद विश्लेषण करेंगे। ■

उन सभी का आभार, जिन्होंने विधानसभा चुनाव में मेघालय भाजपा का समर्थन किया है। मेघालय के विकास पथ को बढ़ाने के लिए हम कड़ी मेहनत करते रहेंगे और राज्य की जनता को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। मैं अपने पार्टी कार्यकर्ताओं का भी उनके द्वारा किए गए प्रयास के लिए आभारी हूं।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मैं मेघालय की जनता को भाजपा के प्रति उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं और मेघालय भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं का प्रदेश में पार्टी का विस्तार करने में उनकी भूमिका की सराहना करता हूं। हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुसार मेघालय की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

- जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

त्रिपुरा, नागालैंड एवं मेघालय विधानसभा चुनाव

जीत का जश्न

अब पूर्वोत्तर न दिल्ली से दूर है और न दिल से: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने त्रिपुरा और नागालैंड विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली शानदार जीत के अवसर पर दो मार्च, 2023 को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बीते वर्षों में भाजपा मुख्यालय ऐसे अनेक अवसरों का साक्षी बना है। आज हमारे लिए जनता जनार्दन को विनम्रता से नमन करने का एक और अवसर आया है। मैं त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड की जनता का सर झुकाकर वंदन करता हूं, उनका आभार व्यक्त करता हूं।

श्री मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर के हमारे कार्यकर्ता हमसे कई गुना अधिक मेहनत करते हैं। आज के नतीजे आप सभी कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है। अन्य राज्यों में काम करना उतना कठिन नहीं है, जितना नॉर्थ ईस्ट में है, इसलिए वहां के हमारे कार्यकर्ता विशेष अभिनंदन के हकदार हैं। पूर्वोत्तर के लोगों ने भाजपा और उसके सहयोगियों को आशीर्वाद दिया है और हमारी सरकार में विश्वास व्यक्त किया है। आप सब उनके सम्मान में अपने मोबाइल का फ्लैश लाइट जला कर संदेश दें कि हम सब उनके साथ हैं। आपने जो मोबाइल फोन के माध्यम से प्रकाश फैलाया है, ये पूर्वोत्तर के नागरिकों का सम्मान है, पूर्वोत्तर के देशभक्ति का सम्मान है, प्रगति के रास्ते पर जाने का सम्मान है। ये प्रकाश उनके सम्मान में है, उनके गौरव में है। मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं। पूर्वोत्तर के लोगों को एहसास है कि अब उनकी उपेक्षा नहीं होती। अब नॉर्थ ईस्ट न दिल्ली से दूर है, न दिल से दूर है। हम एक नई दिशा पर चल पड़ा नॉर्थ-ईस्ट देख रहे हैं। यह दिलों की दूरियां समाप्त होने का ही नहीं, बल्कि नई सोच का भी प्रतीक है। मैं पूर्वोत्तर की समृद्धि और विकास का समय देख रहा हूं।

उन्होंने कहा कि हमारे कुछ शुभचिंतक भी हैं जिन्हें इससे तकलीफ है कि आखिर भाजपा के जीतने का राज़ क्या है? भाजपा के विजय अभियान का रहस्य छिपा है त्रिवेणी में। त्रिवेणी यानि तीन नदियों, तीन धाराओं का संगम। इस त्रिवेणी की पहली शक्ति है— भाजपा सरकारों का कार्य। इस त्रिवेणी की दूसरी शक्ति है— भाजपा सरकारों की कार्य-संस्कृति। इस त्रिवेणी की तीसरी शक्ति है - भाजपा के कार्यकर्ताओं का सेवाभाव। ये मिलकर भाजपा की शक्ति को वन प्लस, वन प्लस वन यानी 111 गुना बढ़ा देते हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र की राजनीति में नॉर्थ-ईस्ट को महत्व मिलता है तो हमारे कुछ विशेष शुभचिंतकों के पेट में दर्द होता है। पहले जो दूरद्रष्टा होते थे, वे आने वाली पीढ़ियों के बारे में सोचते थे और पॉलिटीशियन सोचते हैं उनकी तस्वीर छपेगी या नहीं। हम सबसे कठिन चीजों को हल करने के लिए कठिन से कठिन मेहनत करते हैं। समाधान के जो भी रास्ते मिलें उन पर चलते हैं। आजादी के दशकों बाद भी नॉर्थ-ईस्ट के हजारों गांवों में बिजली भी नहीं पहुंची थी। अब बिजली, नल से जल और गैस घर-घर में उपलब्ध है। हमारी पार्टी ने बड़ी से बड़ी कठिनाइयों को देखा है। पहले कठिन लक्ष्यों में हाथ नहीं लगाया जाता था, लेकिन आज भारत की विकास की रफ्तार की दुनिया में चर्चा हो रही है।

> **हमने देश को एक नई राजनीति दी है, राजनीति की एक नई संस्कृति दी है। हमने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का एक नया विकास मॉडल देश को दिया है। हमारे काम के तौर-तरीकों में कोई भेदभाव नहीं होता। हम सबके विकास में भरोसा करते हैं। हम सबके लिए सेवा भाव से काम करते हैं। हमारी प्रेरणा है— एक भारत-श्रेष्ठ भारत। भाजपा का विकास मॉडल, देशहित को सर्वोपरि रखता है। हमारे लिए देश प्रथम है, देशवासी प्रथम हैं**

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले मैं जब पूर्वोत्तर गया तो किसी ने कहा कि मोदीजी, आपको अपनी हाफ सेंचुरी के लिए बहुत-बहुत बधाई। मैंने पूछा कि कैसी हाफ सेंचुरी तब उन्होंने बताया कि आप जब से प्रधानमंत्री बने हैं, तब से 50 बार से अधिक बार नॉर्थ-ईस्ट की विजिट कर चुके हैं। चुनाव जीतने से ज्यादा इस बात का संतोष है कि मैंने वहां बार-बार जाकर वहां की जनता के दिलों को जीता।

उन्होंने कहा कि पहले त्रिपुरा में ये हाल था कि एक पार्टी के अलावा दूसरी पार्टी का एक झंडा तक नहीं लगाया जा सकता था। अगर किसी ने लगाने की कोशिश की तो उसे लहूलुहान कर दिया जाता था। इस बार इन चुनावों में हमने कितना बड़ा परिवर्तन देखा है। अब हम नई दिशा पर चल पड़ा हुआ पूर्वोत्तर देख रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि हमने देश को एक नई राजनीति दी है, राजनीति की एक नई संस्कृति दी है। हमने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का एक नया विकास मॉडल देश को दिया है। हमारे काम के तौर-तरीकों में कोई भेदभाव नहीं होता। हम सबके विकास में भरोसा करते हैं। हम सबके लिए सेवा भाव से काम करते हैं। हमारी प्रेरणा है— एक भारत-श्रेष्ठ भारत। भाजपा का विकास मॉडल, देशहित को सर्वोपरि रखता है। हमारे लिए देश प्रथम है, देशवासी प्रथम हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता का सेवाभाव अतुल्य है। भाजपा के कार्यकर्ता का श्रम और समर्पण अतुल्य है। भाजपा के कार्यकर्ता की पहचान उसके अनुशासन से होती है। हमारी पार्टी ने बड़ी से बड़ी मुश्किलों को देखा है। हमने कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना किया है, लेकिन हमारे कार्यकर्ता ने मुश्किल से मुश्किल हालातों में भी पार्टी का झंडा बुलंद रखा है।

उन्होंने कहा कि हर चुनाव के साथ-साथ देश की बहनों-बेटियों का सुरक्षा कवच भाजपा के लिए मजबूत होता जा रहा है। नागालैंड में पहली बार महिला उम्मीदवार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची है। यह हम सबके लिए गौरव की बात है। नॉर्थ ईस्ट की बहनों को केंद्र सरकार की चलाई गई योजनाओं का लाभ मिला है। भारतीय जनता पार्टी देश की मातृशक्ति के सशक्तीकरण के लिए कटिबद्ध है।

श्री मोदी ने विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए कहा कि कुछ लोग बेईमानी भी कट्टरता से करते हैं। ये लोग अब मोदी की कब्र खोदने की साजिश में लगे हैं लेकिन कब्र खोदने की बात के बाद भी कमल खिल रहा है। विपक्षी जहां हमारी कब्र खोदने की ख्वाहिश करते हैं, वहां कमल खिलता जा रहा है। हमारी जीत से घबराए कुछ कट्टर विरोधी कहते हैं कि मर जा मोदी, लेकिन मेरे देशवासी कहते हैं मत जा मोदी। कांग्रेस ने छोटों के प्रति अपनी नफरत को फिर से जगजाहिर कर दिया। कांग्रेस कह रही है कि ये तो छोटे राज्य हैं, इनके नतीजे उतना मायने नहीं रखते। जब दिल में ही भारत को जोड़ने की भावना न हो, तो ऐसे बोल निकलते ही हैं। कांग्रेस ने हमेशा देश के गरीब को छोटा समझा, देश के दलित-पिछड़ों-आदिवासियों को छोटा समझा। कांग्रेस ने हमेशा संख्याबल को, वोटबैंक को देखते हुए राजनीति की है। इस तरह तिरस्कार की नजरों से देखकर कांग्रेस बहुत बड़ी गलती कर रही है। इसी विचार के साथ छोटों, गरीब आदिवासी को अनदेखा किया। छोटे लोगों से आपकी ये नफरत कांग्रेस को आगे के चुनावों में भी डुबा देगी। ऐसे बोल इन राज्यों के लोगों का अपमान है। जनमत का अपमान है। इस मानसिकता ने देश का बहुत नुकसान किया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा को बनिया पार्टी कहा गया, मिडिल क्लास की पार्टी कहा गया, लेकिन हमने उन सभी मिथकों को तोड़ दिया। हमने गुजरात चुनाव में भी देखा है कि कैसे आदिवासी पट्टी में भी भारतीय जनता पार्टी को जबर्दस्त जीत मिली। वर्षों तक अल्पसंख्यकों को डर दिखाया गया। देश-विदेश में प्रोपेगेंडा चलाया गया लेकिन उनके अप-प्रचार की झूठ की पोल गोवा के लोग खोलते रहे हैं। अब नॉर्थ-ईस्ट के लोग भी इस झूठ की पोल खोलने में जुट गए हैं। नागालैंड और मेघालय में बहुसंख्यक आबादी हमारे ईसाई भाई-बहनों की है। भाजपा के लिए वहां लगातार समर्थन बढ़ रहा है। गोवा में भाजपा जीत पर जीत का रिकार्ड बना रही है। मैं जानता हूं, जैसे-जैसे कुछ दलों द्वारा फैलाए इस झूठ का पर्दाफाश होगा, वैसे-वैसे भाजपा का और विस्तार होता जाएगा।

वर्षों तक अल्पसंख्यकों को डर दिखाया गया। देश-विदेश में प्रोपेगेंडा चलाया गया लेकिन उनके अप-प्रचार की झूठ की पोल गोवा के लोग खोलते रहे हैं। अब नॉर्थ-ईस्ट के लोग भी इस झूठ की पोल खोलने में जुट गए हैं। नागालैंड और मेघालय में बहुसंख्यक आबादी हमारे ईसाई भाई-बहनों की है। भाजपा के लिए वहां लगातार समर्थन बढ़ रहा है। गोवा में भाजपा जीत पर जीत का रिकार्ड बना रही है। मैं जानता हूं, जैसे-जैसे कुछ दलों द्वारा फैलाए इस झूठ का पर्दाफाश होगा, वैसे-वैसे भाजपा का और विस्तार होता जाएगा

उन्होंने कहा कि कुछ दलों द्वारा पर्दे के पीछे गठबंधन करके भाजपा को बाहर रखने का खेल भी आज पूरा देश देख रहा है। जनता देख रही है कि कैसे कुछ राजनीतिक दल उनके साथ छल-कपट कर रहे हैं। एक राज्य में कुश्ती तो दूसरे में दोस्ती। केरल में कांग्रेस और लेफ्ट एक दूसरे के खिलाफ होने का नाटक करती है तो त्रिपुरा में साथ मिलकर चुनाव लड़ती है। सच्चाई यही है कि दोनों मिले हुए हैं। कांग्रेस और लेफ्ट साथ मिलकर केरल को लूट रहे हैं। इसलिए मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भी जैसे नागालैंड में हुआ है, जैसे मेघालय में हुआ है, जैसे गोवा में होता रहा है, वैसे ही केरल में भी भाजपा गठबंधन की सरकार बनेगी।

श्री मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर में भाजपा की विजय ने बाकी देश के कार्यकर्त्ताओं में ऊर्जा भर दी है। देश की जनता बार-बार भाजपा पर भरोसा जता रही है। हमे विनम्र भाव से आगे बढ़ना है। हमे सभी को साथ लेकर चलना है। आजादी के अमृतकाल में भारत को विकसित बनाने के लिए सबका प्रयास आवश्यक है। आप सब दोगुनी ताकत से राष्ट्र निर्माण में जुट जाएं। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का संबोधन

यह पूर्वोत्तर के विकास के प्रति मोदीजी के विजन की जीत है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने त्रिपुरा एवं नागालैंड विधानसभा चुनाव में कमल खिलने के उत्सव के उपलक्ष्य में दो मार्च, 2023 को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि त्रिपुरा और नागालैंड में भाजपा की शानदार विजय हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की जीत है, नॉर्थ-ईस्ट के डेवलपमेंट के प्रति उनके विजन की जीत है।

श्री नड्डा ने कहा कि जिस तरह से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने त्रिपुरा और नागालैंड में भाजपा की दोबारा सरकार बनाने के लिए हमारा नेतृत्व किया और मेघालय में भी हमारा संगठन हर बूथ तक पहुंचा, इस अथक प्रयास के लिए मैं प्रधानमंत्रीजी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं।

उन्होंने कहा कि त्रिपुरा और नागालैंड में भारतीय जनता पार्टी की लगातार दूसरी बार विजय अनायास ही नहीं हुई है, बल्कि यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि और पूर्वोत्तर को भारत के विकास की मुख्यधारा में जोड़ने के उनके अहर्निश कार्यों के बल पर संभव हुआ है। वर्षों तक पूर्वोत्तर के राज्यों की उपेक्षा की जाती थी, उसे प्रधानमंत्रीजी ने विकास का केंद्र बिंदु बनाया है।

उन्होंने कहा कि मैं त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय के निष्ठावान, समर्पित और देवतुल्य कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करता हूं, जिन्होंने श्रम और समर्पण की पराकाष्ठा तक कार्य करके इस लोकतंत्र के महोत्सव में अपना योगदान दिया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी सरकार की डबल इंजन वाली सरकार की नीतियों और विजन को जन-जन तक पहुंचाया। मैं त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय की देवतुल्य जनता को भी नमन करते हुए उन्होंने बधाई देता हूं।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे नॉर्थ-ईस्ट को अष्टलक्ष्मी का स्वरूप देकर इसे विकास, कनेक्टिविटी, आधारभूत संरचना का विकास, आईटी, औद्योगिक विकास, स्पोर्ट्स, निवेश और जैविक खेती का बड़ा हब बनाया है। देश की आजादी के बाद सभी प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे पर जितनी बार गए हैं, प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री नरेन्द्र मोदी अकेले उससे कहीं अधिक बार पूर्वोत्तर जा चुके हैं। वे 50 से अधिक बार पूर्वोत्तर के राज्यों का दौरा कर चुके हैं। हर 15 दिन में कोई न कोई केंद्रीय मंत्री पूर्वोत्तर के दौरे पर जाते हैं और वहां के विकास कार्यों का जायजा लेते हैं। इससे यहां विकास को तेज रफ्तार मिल रही है।

उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद पूर्वोत्तर भारत के पूर्ण विकास की नई कहानी लिखी गई है। पूर्वोत्तर को लेकर दिल्ली की सोच में आए इस परिवर्तन का नतीजा है कि पूर्वोत्तर अब भारत के विकास का गेटवे बन रहा है। अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हीरा (HIRA) अर्थात् हाइवे, इनलैंड वाटरवे, रेलवे और एयरवे के विकास पर जोर दिया है। इससे पूर्वोत्तर के राज्यों, शेष भारत और दिल्ली के बीच की दिल की दूरियां खत्म हुई हैं। जो पूर्वोत्तर पहले बंद, ब्लॉकेड, इंसरजेंसी के लिए जाना जाता था, वह आज शांति, समृद्धि, सद्भाव और खुशहाली के लिए जाना जाता है। प्रधानमंत्रीजी की दूरदृष्टि, गरीब कल्याण की उनकी योजना तथा गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, आदिवासी, शोषित, वंचित, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं के सशक्तीकरण की नीतियों के कारण देश में एक बहुत बड़ा परिवर्तन देखने को मिला है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नार्थ ईस्ट को अपना एटीएम समझ रखा था। कांग्रेस ने केवल भ्रष्टाचार, वोटबैंक और तुष्टीकरण की राजनीति की और पूर्वोत्तर के राज्यों को विकास से दूर रखा, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर के राज्य भ्रष्टाचार मुक्त और शांति एवं विकास से युक्त प्रदेश बने हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि आज कांग्रेस की क्या हालत हो गई है? आज कांग्रेस देश में कहीं देखने को नहीं मिल रही। रस्सी जल गई लेकिन बल नहीं गया। ऐंठन अभी भी बरकरार है। कांग्रेस की जमीन खिसक गई है, लेकिन उन्हें अभी तक सद्बुद्धि नहीं आई है। आज कांग्रेस लगातार असभ्य भाषा का इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस ने राजनीति के हर मर्यादा को लांघकर उसे तार-तार कर दिया है। कांग्रेस के नेता जिस तरह लगातार देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के बारे में अभद्र भाषा और अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं, वह कांग्रेस के ओछेपन और निकृष्ट राजनीति को दिखाता है, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हर जगह कमल ही कमल खिल रहा है। ■

जनहितैषी नीतियों से भाजपा को मिली शक्तिः राजनाथ सिंह

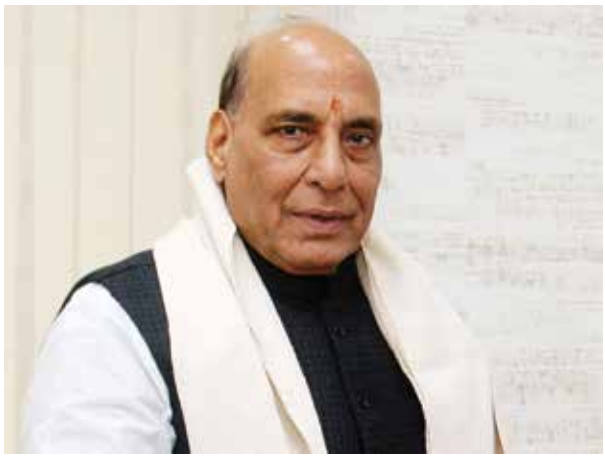

जीत का जश्न मनाते हुए रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय के लोगों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा ने इन राज्यों में भारी प्रगति की है और शानदार जीत हासिल की है। त्रिपुरा हो या नागालैंड, यहां तक कि मेघालय में भी हमारी सीटें बढ़ी हैं। श्री सिंह ने कहा कि भाजपा ने शानदार जीत हासिल की है और इसके लिए मैं इन सभी राज्यों की जनता को धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने नागालैंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा-एनडीपीपी गठबंधन की सराहना की और जीत के लिए मुख्यमंत्री श्री नेफ्यू रियो को बधाई दी। नागालैंड विधानसभा चुनाव में भाजपा-एनडीपीपी गठबंधन की जीत वास्तव में आश्चर्यजनक है क्योंकि गठबंधन सरकार बनाने के लिए तैयार है।

उन्होंने ट्वीट कर मुख्यमंत्री श्री नेफ्यू रियो और नागालैंड भाजपा को इस शानदार जीत के लिए बधाई दी।

श्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, 'त्रिपुरा में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा के सुशासन और जन-समर्थक नीतियों ने भाजपा को विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज करने में मदद की है। हम त्रिपुरा के लोगों को भाजपा को उनके स्पष्ट समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं।

श्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा को भी पूर्वोत्तर में सफलता की नई कहानियां लिखने के लिए बधाई दी। ■

उत्तर-पूर्व के लिए ऐतिहासिक दिनः अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने त्रिपुरा एवं नागालैंड में भाजपा की जीत की सराहना की और इसे पूर्वोत्तर के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने ट्वीट किया, "यह विकास समर्थक राजनीति की जीत है, जिसे भाजपा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में त्रिपुरा और नागालैंड में साकार किया है।"

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री और लोगों को धन्यवाद देते हुए श्री शाह ने कहा कि यह फिर से स्पष्ट है कि विकास और समृद्धि के लिए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा लोगों की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने ट्वीट किया, "पूर्वोत्तर के लिए एक ऐतिहासिक दिन। मैं एक बार फिर भाजपा में भरोसा जताने के लिए त्रिपुरा को धन्यवाद देता हूं। यह विकास समर्थक राजनीति की जीत है जिसे भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में त्रिपुरा में साकार किया है। हम साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे और एक समृद्ध त्रिपुरा का निर्माण करेंगे।

श्री अमित शाह ने एनडीए को फिर से सत्ता में लाने के लिए नागालैंड के लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि नागालैंड के लोगों ने हमें फिर से चुनकर शांति और प्रगति को चुना है। उन्होंने कहा, "मैं प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व वाले एनडीए को सत्ता में फिर से चुनकर शांति और प्रगति को चुनने के लिए नागालैंड के लोगों को हार्दिक धन्यवाद देता हूं।" श्री शाह ने मेघालय में भाजपा के विस्तार के लिए कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की भी सराहना की। ■

भाजपा महिला मोर्चा ने किया महिला लाभार्थियों के साथ 'एक करोड़ सेल्फी अभियान' का शुभारंभ

भारतीय जनता पार्टी, महिला मोर्चा ने 27 फरवरी, 2023 को तमिलनाडु के मदुरै मंदिर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्ववाली केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजना के महिला लाभार्थियों के साथ 'एक करोड़ सेल्फी अभियान' का आयोजन किया।

मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और दक्षिण कोयम्बटूर से विधायक श्रीमती वानथी श्रीनिवासन ने तमिलनाडु प्रदेश महिला मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर श्रीमती श्रीनिवासन ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा भारत में महिलाओं के विकास के बारे बिना किसी जाति-धर्म के आधार पर भेदभाव किए उनके विकास के लिए काम किया है। इसी के परिणामस्वरूप विभिन्न योजनाओं से करोड़ों महिलाएं लाभान्वित हुईं और एक महिला अनेक योजनाओं का लाभ ले रही हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए मैं देश के प्रधानमंत्रीजी को धन्यवाद देती हूं। ग्रामीण भारत में महिलाएं रसोई घर के धुएं में गंभीर स्वास्थ्य और वित्तीय समस्याओं से जूझ रही थीं। फिर 'उज्ज्वला योजना' आई और उनके स्वास्थ्य और सामाजिक-आर्थिक स्थिति सहित जीवन बदल गया। यह आभारी होने का समय है।

उन्होंने कहा कि 'सुकन्या समृद्धि' हो या 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', मोदी सरकार के दूरदर्शी कार्यक्रम हमारी आनेवाली पीढ़ियों की सुरक्षा और बेहतरी सुनिश्चित कर रहे हैं। आज की लड़की कल का भविष्य है और यह एक सेल्फी लेने और हमारे प्रधानमंत्री के साथ साझा करने का एक उपयुक्त क्षण है।

उन्होंने कहा कि 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई)', 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' कुछ ऐसी योजनाएं हैं जो एक स्वस्थ मां और बच्चे को सुनिश्चित करती हैं और करोड़ों गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को लाभ पहुंचाती हैं।

श्री निवासन ने कहा कि इस अभियान के दौरान महिला मोर्चा की पदाधिकारी प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में कम से कम लगभग 20,000 महिला लाभार्थियों के साथ सेल्फी लेकर उसकी पूरी जानकारी के साथ पोर्टल पर अपलोड करेंगे। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विभिन्न देशों के विदेश नीति विशेषज्ञों और सांसदों के साथ बातचीत की

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 04 मार्च, 2023 को भाजपा मुख्यालय में विदेश नीति विशेषज्ञों, राजनेताओं और विभिन्न देशों के संसद सदस्यों के चुनिंदा समूह के साथ बातचीत की।

कार्यक्रम के दौरान उन्हें भारतीय जनता पार्टी और भाजपा सरकारों के इतिहास, संघर्षों, सफलताओं, विचारधारा और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई।

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने महिलाओं, गरीबों और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के सशक्तीकरण पर भाजपा की भूमिका के बारे में उपस्थित लोगों के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने पार्टी की 'सेवा ही संगठन' पहल के तहत कोरोना महामारी के दौरान जरूरतमंद लोगों की मदद करने में भाजपा सदस्यों की भागीदारी पर भी प्रकाश डाला। यह बातचीत भाजपा के 42वें स्थापना दिवस पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा शुरू की गई 'भाजपा को जानें (KNOW BJP)' पहल का हिस्सा है। ■

दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ संवाद

'भाजपा को जानें' अभियान

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 'भाजपा को जानें (Know BJP)' अभियान के तहत 27 फरवरी, 2023 को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ संवाद किया और छात्रों को पार्टी के दृष्टिकोण, मिशन और कार्य-संस्कृति से परिचय कराया। कार्यक्रम में श्री नड्डा के साथ राज्य सभा सांसद एवं पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया विभाग के प्रमुख श्री अनिल बलूनी एवं भाजपा सांसद श्री राकेश सिन्हा भी उपस्थित थे। ज्ञात हो कि 'भाजपा को जानें (Know BJP)' कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी के 42वें स्थापना दिवस पर 06 अप्रैल, 2022 को हुई थी।

श्री नड्डा ने छात्रों के साथ संवाद में भारतीय जनता पार्टी की कार्यसंस्कृति पर चर्चा की और कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 9 साल बेमिसाल— सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के प्रति समर्पित रहे हैं, ये उपलब्धियों से भरे हुए रहे हैं। प्रधानमंत्रीजी का फोकस है— स्पीड (देश में विकास की रफ़्तार को तेज करना), स्किल (युवाओं एवं कामगारों को स्किल्ड बनाना) और स्केल (देशवासियों की सोच को ऊपर उठाना)। ■

'डबल इंजन' सरकार ने त्रिपुरा में भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त किया: माणिक साहा

त्रिपुरा विधानसभा चुनावों में भाजपा लगातार दूसरी बार सरकार बनाने में सफल रही है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने चुनाव परिणामों के बारे में 'कमल संदेश' के एसोसिएट एडिटर विकास आनंद से बात की। बातचीत में उन्होंने बताया कि कैसे 'डबल इंजन' की सरकार ने प्रदेश में भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त किया। हम 'कमल संदेश' के सुधी पाठकों के लिए इस बातचीत के प्रमुख अंश प्रकाशित कर रहे हैं:

सबसे पहले आपको त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत की हार्दिक बधाई।

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

प्रदेश में भाजपा को दूसरी बार जनता का आशीर्वाद मिला। एंटी-इनकंबेंसी के बजाय प्रो-इनकंबेंसी ने चुनाव में अपनी भूमिका निभाई? इसको लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?

केंद्र और प्रदेश में 'डबल इंजन' की सरकार 'सुशासन' में विश्वास करती है। त्रिपुरा में हमेशा से 'बदले की राजनीति' हावी रही है। हम उस माहौल को बदलने के लिए काम कर रहे हैं, जो कम्युनिस्ट संस्कृति से उपजा है। आप उस संस्कृति को पश्चिम बंगाल और केरल में देख सकते हैं। हमने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को इसे रोकने के लिए कहा।

हम यह नहीं कहेंगे कि राजनीतिक हिंसा बंद हो गई है, लेकिन पिछले दस महीनों में इसमें कमी जरूर आई है। विपक्ष जिस हिंसा को भड़का रहा है, उसे खत्म करने में समय लगेगा।

सुशासन और विकास प्रो-इनकंबेंसी के दो सबसे महत्वपूर्ण घटक बने। हमारी सरकार ने पहली बार त्रिपुरा में इन घटकों को संबोधित किया, जिसके परिणामस्वरूप प्रो-इनकंबेंसी लहर से हमारी जीत हुई।

यह चुनाव आपके कार्यकाल में संपन्न हुए, जाहिर है, मुख्यमंत्री के रूप में आपके कार्यकाल ने भी इस जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा इस शानदार जीत का श्रेय आप किसे देते हैं?

हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, विकास के एजेंडे और सुशासन की अवधारणा को लेकर चुनाव में जनता के पास गए।

जमीनी स्तर से लेकर पन्ना प्रमुख तक सभी कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ चुनाव लड़ा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, श्री अमित शाह, श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में हम इन चुनावों में गए। इस जीत के लिए मैं भारतीय जनता पार्टी के सभी केंद्रीय और प्रदेश कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देना चाहता हूं, जिन्होंने इस प्रतिष्ठित वैचारिक चुनाव में पार्टी को विजयी बनाया।

इन चुनावों में मतदाताओं ने पूरे उत्साह के साथ मतदान किया। यह देखा गया कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक रहा। महिलाओं का मतदान प्रतिशत बढ़ने के क्या कारण हैं?

राजनीतिक रूप से त्रिपुरा अब एक बदला हुआ प्रदेश है। राजनीति में लोगों की सक्रियता बढ़ी है और आज नागरिक हर नुक्कड़ पर राजनीतिक चर्चा करते मिल जाते हैं। मतदान प्रतिशत के बढ़ने का एक प्रमुख कारण हमारे माननीय प्रधानमंत्री के प्रति जनता का प्यार, सम्मान और स्नेह है। प्रदेश में लोग नहीं चाहते कि वामपंथी दल का अपवित्र गठबंधन लौटे। हमारा एकमात्र मंत्र विकास रहा है और यह विशाल जनसमूह उस लक्ष्य के समर्थन में था। हमने 'डबल इंजन' सरकार के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अनेक योजनाएं चलाईं, जिन पर उनका विश्वास कायम रहा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और पूर्वोत्तर राज्यों पर उनका विशेष ध्यान इस विधानसभा चुनाव को कितना प्रभावित किया?

2014 के बाद से प्रधानमंत्री जी की 'लुक ईस्ट से एक्ट ईस्ट' की नीति ने निःस्संदेह उत्तर पूर्व क्षेत्र को सबसे आगे ला दिया है। इससे पहले, हमने शायद ही किसी केंद्रीय मंत्री को यहां आते देखा हो, लेकिन 2014 के बाद से लगभग हर हफ्ते, एक या एक से अधिक केंद्रीय मंत्रियों ने पूर्वोत्तर क्षेत्र का दौरा किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का एकमात्र एजेंडा सुशासन के साथ विकास करना है और इस एजेंडे का विधानसभा चुनाव पर खासा असर पड़ा। जमीनी स्तर पर सभी लोग मोदीजी के विशेष फोकस को पहचानते हैं। मैं आपको इस उत्तर पूर्वी क्षेत्र की यात्रा के लिए आमंत्रित करता हूं, इससे आपको पता चलेगा कि यहां प्रधानमंत्री जी को जनता ने कैसे स्वीकार किया है।

अब त्रिपुरा सामाजिक संकेतकों पर अच्छा कर रहा है। राजनीतिक हिंसा में कमी आ रही है। आपकी सरकार इस बदलाव के लिए क्या प्रयास कर रही है?

हम सुशासन पर फोकस कर रहे हैं, 'अमर सरकार' जैसे प्लेटफॉर्म ने लोगों को ताकत दी है। हम 2000 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से लगभग 3.8 लाख लाभार्थी को सामाजिक पेंशन देने वाला पहला प्रदेश बन गये हैं। विकास के 'हीरा मॉडल' के माध्यम से राजमार्ग, इंटरनेट, रेलवे और वायुमार्ग को मजबूत किया गया है। हम प्रदेश में नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाने में सफल रहे हैं। लोगों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के लिए प्रशासन और नागरिकों के बीच अच्छे संबंध स्थापित किये गये हैं। इन सभी कारकों ने कहीं न कहीं प्रदेश के सामाजिक संकेतकों को बेहतर बनाने में मदद की है।

जैसा कि एनसीआरबी में कहा गया है, सभी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में कमी आई है। हम किसी भी प्रकार की हिंसा के लिए 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपना रहे हैं। इन सब बातों से प्रदेश की जनता का विश्वास बढ़ा है और इसलिए हमें 'परिवर्तन की सरकार' के रूप में जाना जाता है। ■

राजग ने हाल में संपन्न उपचुनाव में तीन सीटों पर जीत हासिल की

दो मार्च, 2023 को घोषित पांच राज्यों के विधानसभा उपचुनावों के परिणामों में भारतीय जनता पार्टी ने दो सीटों पर जीत हासिल की, साथ ही भाजपा समर्थित आजसू ने एक सीट पर विजय हासिल की। ये उपचुनाव अरुणाचल प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में हुए थे।

भाजपा ने महाराष्ट्र की चिंचवाड़ सीट को बरकरार रखा, जहां पार्टी के उम्मीदवार श्री अश्विनी लक्ष्मण जगताप को 47.23 प्रतिशत वोट मिले, जबकि अरुणाचल प्रदेश के लुमला में भाजपा उम्मीदवार श्री त्सेरिंग ल्हामू निर्विरोध चुने गए। झारखंड की रामगढ़ सीट पर ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन ने जीत दर्ज की। ■

प्रधानमंत्री ने गुजरात रोजगार मेले को किया संबोधित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छह मार्च को एक वीडियो संदेश के माध्यम से गुजरात सरकार के रोजगार मेले को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि होली का त्योहार आने वाला है और गुजरात रोजगार मेले का आयोजन उन लोगों के लिए उत्सव को दोगुना कर देगा, जिन्हें नियुक्ति पत्र प्राप्त होंगे। इस बात पर ध्यान देते हुए कि रोजगार मेला गुजरात में दूसरी बार हो रहा है, श्री मोदी ने युवाओं के लिए निरंतर अवसर प्रदान करने और देश के विकास में उनकी संभावनाओं का उपयोग करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि केन्द्र सरकार और एनडीए राज्य सरकारों के सभी विभाग अधिक से अधिक संख्या में नौकरियां प्रदान करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि केन्द्र सरकार के अलावा 14 एनडीए शासित राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में लगातार रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई जिम्मेदारी संभालने वाले युवा अमृत काल के संकल्पों को पूरी लगन और निष्ठा से पूरा करने में अपना योगदान देंगे।

श्री मोदी ने बताया कि पिछले 5 वर्षों में 1.5 लाख से अधिक युवाओं को राज्य सरकार की नौकरियां मिली हैं। इसके अलावा, रोजगार कार्यालय के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी पाने वाले युवाओं की संख्या 18 लाख है। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार ने भर्ती कैलेंडर बनाकर निर्धारित समय के भीतर भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया। ■

प्रधानमंत्री मोदीजी ने की आदिवासियों के कल्याण की सबसे अधिक चिंता : जगत प्रकाश नड्डा

कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी चार 'विजय संकल्प' रथयात्राएं निकाल रही है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक मार्च, 2023 को कर्नाटक में चामराजनगर के प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक माले महादेश्वर मंदिर मैदान से भाजपा के राज्यव्यापी विजय संकल्प रथयात्रा का शुभारंभ किया और पहली रथयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दूसरी विजय संकल्प रथयात्रा को केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह बेलगावी से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसी तरह, दो और विजन संकल्प रथयात्रा को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये चारों विजय संकल्प रथयात्राएं 20 दिनों तक चलेंगी और इस दौरान लगभग 8,000 किमी की दूरी तय करते हुए प्रदेश के सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेंगी। भारतीय जनता पार्टी विजय संकल्प रथयात्रा के दौरान लगभग 75 जनसभाएं और 150 रोड-शो करेगी और लोगों को पार्टी के 'विजय संकल्प अभियान' के साथ जोड़ेगी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक मार्च, 2023 को कर्नाटक में चामराजनगर के प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक माले महादेश्वर मंदिर मैदान से भाजपा के राज्यव्यापी विजय संकल्प रथ यात्रा का शुभारंभ किया और और पहले रथ यात्रा को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। वे स्वयं कुछ दूर तक विजय संकल्प रथ पर सवार होकर चले भी और कार्यकर्ताओं का भरपूर उत्साहवर्धन किया। विजय संकल्प रथ पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बी.एस. येदियुरप्पा, केंद्रीय मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे सहित भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित थे। भाजपा की विजय संकल्प यात्रा के शुभारंभ के पश्चात् श्री नड्डा ने सोलिगा ट्राइबल्स के साथ संवाद किया। पूरे कार्यक्रम में कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बी.एस. येदियुरप्पा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री नलिन कटील और केंद्रीय मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे कई विधायक, विधान पार्षद एवं पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में आदिवासी महिलाओं ने भी अपने विचार रखे।

सोलिगा समुदाय से संवाद करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कर्नाटक में बनने वाली भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन वाली सरकार सोलिगा समुदाय की सभी समस्याओं के स्थायी निदान की दिशा में काम करेगी। मैं आज यह जोर देकर एक बार फिर कहना चाहता हूं कि आदिवासियों के कल्याण की सबसे अधिक चिंता किसी ने की है और उनके कल्याण के लिए काम किया है तो वे केवल और केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं। आज भारत सरकार में 12 दलित मंत्री, 27 ओबीसी मंत्री और 8 आदिवासी समुदाय से मंत्री हैं। हमारे कई राज्यपाल भी आदिवासी समुदाय से हैं। आज भारत की राष्ट्रपतिजी भी देश की एक आदिवासी बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी हैं। ऐसा आजादी के बाद पहली बार हुआ है।

श्री नड्डा ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश के ट्राइबल

बजट में लगभग 190 प्रतिशत की वृद्धि की है। कांग्रेस की यूपीए सरकार के दौरान 2013 में देश का ट्राइबल बजट लगभग 4,295 करोड़ रुपये का बजट था, जोकि आज श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में बढ़कर 12,461 करोड़ रुपये हो गया है। एकलव्य मॉडल रेसिडेंशियल स्कूलों के लिए लगभग 38,800 शिक्षकों की भर्ती का प्रावधान इस बार के आम बजट में किया गया है। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार में अलग से ट्राइबल मिनिस्ट्री और नेशनल कमीशन फॉर शेड्यूल कास्ट एंड शेड्यूल ट्राइब का भी गठन किया गया। पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का कार्य भी श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है। इतना ही नहीं, हमारी सरकार ने आदिवासी बच्चों की प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप में भी इजाफा किया है। नेशनल फेलोशिप प्रोग्राम के तहत भी युवा छात्रों को आर्थिक मदद दी जा रही है। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत लगभग 9,500 गांवों को विकसित करने के लिए लगभग 3,584 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 15 नवंबर को भगवान् बिरसा मुंडा जी की जयंती को पूरे देश में आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। नेशनल ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट के साथ-साथ देश में लगभग 27 ट्राइबल रिसर्च सेंटर स्थापित किये जा रहे हैं। ट्राइबल में प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के लिए भी कई कार्य हमारी सरकार द्वारा किये जा रहे हैं। ट्राइबल सब-प्लान पर भी काम किया जा रहा है। ■

'किसानों के साथ कांग्रेस की सरकार ने छल किया'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 24 फरवरी, 2022 को राजस्थान के हनुमानगढ़ में सिख समाज द्वारा आयोजित 'किसान संगत अभिनंदन समारोह' को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत साढ़े 8 वर्षों में किसानों के कल्याण के लिए उठाये गए क़दमों की विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सतीश पूनिया, राजस्थान विधान सभा में उप-नेता श्री राजेंद्र राठौड़, राजस्थान की भाजपा प्रभारी श्रीमती विजया राहटकर, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष सरदार अजय पाल सिंह, पूर्व मंत्री सरदार सुरेंद्र पाल सिंह, सरदार गुरचरण सिंह और सरदार कुलदीप सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि आज किसान संगत है। किसान देश के अन्नदाता हैं। देश के किसानों के साथ लंबे समय तक छल हुआ। कई राजनीतिक लोग स्वयंभू किसान नेता बन गए। किसानों के लिए बड़े-बड़े नारे भी दिए, बातें की गईं, लेकिन किसानों की समस्या समझ कर उनके हित में योजनाओं को धरातल में लाने का कार्य केवल और केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। फसल बीमा तो पहले भी थी लेकिन बीमा कंपनियों से किसानों को केवल और केवल धोखा ही मिलता था। हमारे प्रधानमंत्रीजी ने किसानों की समस्या समझा। फसल क्षतिपूर्ति को लेकर किसानों के लगभग 1.20 करोड़ केस थे। मोदी सरकार ने उन सभी केसों का सेटलमेंट कराया। प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि के तहत हर साल देश के लगभग 11 करोड़ किसानों को छह-छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक एकाउंट में मिलती है। राजस्थान के भी लगभग 77 लाख किसान इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। अब तक 12 किस्तों में लगभग सवा दो लाख करोड़ रुपये किसानों के एकाउंट में पहुंचाए जा चुके हैं। आप ही बताइये कि किस किसान नेता ने किसानों के लिए ये काम किये? किस प्रधानमंत्री ने किसानों के सम्मान की बात की? क्या कभी किसी किसान ने सोचा था कि उन्हें भी पेंशन मिलेगी? किसानों को मासिक पेंशन देने की व्यवस्था मोदी सरकार ने की है। इस योजना से देश के लगभग 20 लाख किसान जुड़ चुके हैं। राजस्थान में लगभग 38,000 किसान इस योजना से जुड़े हैं। हालांकि, ये संख्या कम है। मैं तो चाहूंगा कि यहां से लाखों किसान इस योजना से जुड़ें और इसका लाभ उठाएं।

> देश के किसानों के साथ लंबे समय तक छल हुआ। कई राजनीतिक लोग स्वयंभू किसान नेता बन गए। किसानों के लिए बड़े-बड़े नारे भी दिए, बातें की गईं, लेकिन किसानों की समस्या समझ कर उनके हित में योजनाओं को धरातल में लाने का कार्य केवल और केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को छोड़कर सिख भाइयों के साथ लगभग सभी राजनीतिक दलों ने केवल और केवल राजनीति की। सिख भाइयों ने विवाह के मामले में कहा था कि क़ानून में बदलाव आना चाहिए। यह बात तो छोटी थी, किंतु किसी ने भी ध्यान नहीं दिया। प्रधानमंत्रीजी ने इस पर ध्यान देकर क़ानून में बदलाव किया। पहले की सरकारों में और यहां तक कि 10 वर्षों तक एक सिख प्रधानमंत्री के काल में भी श्री श्री तख़्त हरमंदिर साहब के लंगर पर भी टैक्स लगता था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लंगर पर से टैक्स को ख़त्म कराया। श्री श्री हरमंदिर साहिब को फॉरेन कंट्रीब्यूशन लेने का पहले कोई प्रावधान नहीं था लेकिन प्रधानमंत्रीजी की प्रेरणा से एफसीआरए रजिस्ट्रेशन ग्रांट हुआ और अब श्री श्री हरमंदिर साहिब को विदेशी योगदान मिलना शुरू हो गया है। आजादी से लेकर 70 सालों तक डेरा नानक साहब और करतारपुर साहिब का दर्शन करने का अवसर हमारे सिख भाइयों को नहीं मिल पाया था, यह रास्ता अब तक नहीं मिल पाया था लेकिन प्रधानमंत्रीजी की प्रेरणा से यह कॉरिडोर बनकर तैयार हुआ और सिख भाइयों को डेरा नानक साहब और करतारपुर साहिब का दर्शन करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

श्री नड्डा ने कहा कि राजस्थान में यह देखकर बहुत दुःख होता है कि यहां चुनाव से पहले किसानों की कर्ज माफी के दावे तो कांग्रेस द्वारा बहुत किये गए, लेकिन आज तक ये नहीं हुआ। कहां गई वो बातें? क्यों यहां किसानों के साथ कांग्रेस की सरकार ने छल किया? वहीं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के खाते में केवल पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत लगभग सवा दो लाख रुपये पहुंचाए जा चुके हैं। चुनाव आने पर लोग राजस्थान में जादूगरी करते हैं कि ये करूंगा, वो करूंगा लेकिन करते कुछ नहीं। इसलिए इन लोगों को आराम दीजिये और भाजपा को सेवा का अवसर दीजिये। ■

भाजपा ने समग्र कर्नाटक का कल्याण करने की जिम्मेदारी ली है : अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 3 मार्च, 2023 को कर्नाटक में बीदर और देवनहल्ली से भाजपा के राज्यव्यापी तीसरे और चौथे विजय संकल्प रथ यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बी.एस. येदियुरप्पा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री नलिन कटील सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, नेता और बड़ी संख्या में जनता एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि मैं आज तीन चार दिन से कांग्रेस का बयान देख रहा हूं। कांग्रेस के पास विजय का कोई सूत्र ही नहीं है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का स्तर दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है। ये लोग क्या नारे लगा रहे हैं? ये लोग नारे लगा रहे है कि 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी'। आम आदमी पार्टी के नेता कहते हैं कि 'मोदी, तुम मर जाओ'। अरे भाई! आपके कहने से क्या होता है? ऐसा कहने से ईश्वर आपकी नहीं सुनेगा] क्योंकि देश की 130 करोड़ जनता अपने लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लंबी आयु के लिए प्रार्थना करती है।

कांग्रेस के अपशब्दों पर तीखा प्रहार करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि सिद्धारमैया जी, डीके शिवकुमार जी सहित सभी कांग्रेस नेता सुन लें कि आप जितना कीचड़ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी पर उछालोगे, उतना ही कमल खिलकर बाहर आएगा क्योंकि कमल का कीचड़ के बीच में सुगंध फैलाना ही सहज स्वभाव है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने समग्र कर्नाटक का कल्याण करने की जिम्मेदारी ली है। भाजपा की सरकार में अनुच्छेद 371-J का अनुपालन हुआ है। हमारी सरकार ने कल्याण कर्नाटक रिजन डेवलपमेंट बोर्ड के लिए पहले 3,000 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज दिया था। इस बजट में मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई जी ने 5,000 करोड़ रुपये का पैकेज दिया है। मै पूछता हूं सिद्धारमैया जी आपने क्या किया था? आपने केवल और केवल दिल्ली के एक परिवार के लिए एटीएम बनकर भ्रष्टाचार का पैसा दिल्ली पहुंचाया। ■

कांग्रेस अपनी कब्र खुद खोद रही है: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 2 मार्च, 2023 को कर्नाटक के बेलगावी के नंदगढ़ गांव में दूसरी 'विजय संकल्प यात्रा' शुरू करने के बाद एक विशाल रैली को संबोधित किया।

श्री सिंह ने कांग्रेस पार्टी की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी भारतीय जनता पार्टी की कब्र नहीं , बल्कि अपनी ही कब्र खोद रही है। उन्होंने कहा, "हर दिन कांग्रेस के युवा नेताओं को लॉन्च किया जाता है। वह इतना नीचे गिर गए हैं कि कहते हैं, मोदीजी की कब्र खोदी जाएगी; ऐसा नहीं है बल्कि वह खुद अपनी कब्र खोद रहे हैं। कांग्रेस जितना कीचड़ उछालेगी, कमल उतना ही खिलेगा।"

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि भ्रष्टाचार का निश्चित रूप से इलाज किया जा सकता है, हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी इसके विपरीत कहा करते थे कि 'भ्रष्टाचार लाइलाज है'।

पिछले साल दिसंबर में संपन्न हुई कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "मैं पूछना चाहता हूं कि भारत कहां से टूटा है। कांग्रेस केवल राजनीति कर रही है।"

भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बीएस येदियुरप्पा के योगदान की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री ने कर्नाटक के लोगों से आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में कर्नाटक में स्पष्ट बहुमत हासिल करने के भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री के सपने को पूरा करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि येदियुरप्पाजी ने कई दशकों तक पार्टी और राज्य की 'धरती के लाल' के रूप में सेवा की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की तरह श्री येदियुरप्पा की भी यही इच्छा है कि कर्नाटक में फिर से पांच साल के लिए भाजपा की सरकार बने, ताकि अगले पांच साल में राज्य को दक्षिण भारत का नंबर एक राज्य बनाया जा सके।

श्री सिंह ने लोगों से राज्य में दो तिहाई बहुमत से भाजपा की सरकार बनाने के लिए संकल्प लेने का भी आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, केन्द्रीय मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री नलिनकुमार कटील भी उपस्थित थे। ■

भारत में उत्पादित वैक्सीनों ने महामारी के दौरान लाखों जाने बचाईः बिल गेट्स

भारत ने वित्तीय समावेश को प्राथमिकता दी, एक डिजिटल पहचान प्रणाली (आधार) में निवेश किया और डिजिटल बैंकिंग के लिये नवाचारी प्लेटफॉर्मों की रचना की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चार मार्च को नई दिल्ली में बिल गेट्स से मुलाकात की। श्री गेट्स ने ट्वीट किया था, जिसमें उन्होंने भारत की अपनी हाल की यात्रा पर अपने उद्गार साझा किये थे, जिसके जवाब में प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि बिल गेट्स से मिलकर प्रसन्नता हुई और हमने प्रमुख विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उनकी विनम्रता तथा बेहतर और अधिक चिरस्थायी ग्रह की रचना करने का उनका उत्साह स्पष्ट दिखाई देता है।

अपने संवाद में श्री गेट्स ने कहा कि मैं इस सप्ताह भारत में रहा, यहां स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में जो नवाचारी कार्य हो रहे हैं, उन्हें देखा-सीखा। ऐसे समय में जब दुनिया को अनेक चुनौतियों का सामना है, तब भारत जैसे जीवंत और रचनात्मक स्थान पर आना प्रेरणास्पद है।

बिल गेट्स से मिलकर प्रसन्नता हुई और हमने प्रमुख विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उनकी विनम्रता तथा बेहतर और अधिक चिरस्थायी ग्रह की रचना करने का उनका उत्साह स्पष्ट दिखाई देता है।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मेरी बातचीत ने स्वास्थ्य, विकास और जलवायु के क्षेत्र में भारत द्वारा की जाने वाली प्रगति के बारे में पहले से अधिक आशावान बना दिया है।

- बिल गेट्स

भारत में अनेक सुरक्षित, कारगर और सस्ती वैक्सीन बनाने की अद्भुत क्षमता है

श्री मोदी से अपनी मुलाकात को अपनी यात्रा का चरम-बिंदु बताते हुये श्री गेट्स ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मैं एक-दूसरे के संपर्क में रहे हैं, खासतौर से कोविड-19 वैक्सीन के विकास और भारत की स्वास्थ्य प्रणालियों में निवेश के विषय पर। भारत में अनेक सुरक्षित, कारगर और सस्ती वैक्सीन बनाने की अद्भुत क्षमता है, इनमें से कुछ को गेट्स फाउंडेशन समर्थन देता है। भारत में उत्पादित वैक्सीनों ने महामारी के दौरान लाखों जाने बचाई हैं और पूरे विश्व में अन्य बीमारियों को फैलने से रोका है।

श्री गेट्स ने महामारी के प्रति भारत की व्यवस्था पर कहा कि प्राणरक्षा के नये उपकरण बनाने के अलावा भारत ने उनकी आपूर्ति में भी उत्कृष्टता प्राप्त की है। की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली ने कोविड वैक्सीन की 2.2 अरब खुराक से अधिक की आपूर्ति की। उन्होंने को-विन नामक ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म बनाया, जिसके तहत लोगों ने टीकाकरण के अरबों अप्वॉन्टमेंट लिये और जिन्हें टीके लगाये गये, उन्हें डिजिटल प्रमाणपत्र दिये गये। इस प्लेटफॉर्म को अब विस्तृत किया जा रहा, ताकि भारत के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम को समर्थन दिया जाए। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि को-विन पूरी दुनिया के लिये आदर्श है और मैं इससे सहमत हूं।

डिजिटल भुगतान में भारत के बढ़ते कदम की तारीफ करते हुये बिल गेट्स ने कहा कि महामारी के दौरान भारत 200 मिलियन महिलाओं सहित 300 मिलियन लोगों को आपातकालीन डिजिटल भुगतान करने में सक्षम रहा है। यह इसीलिये संभव हो सका, क्योंकि भारत ने वित्तीय समावेश को प्राथमिकता दी, एक डिजिटल पहचान प्रणाली (आधार) में निवेश किया और डिजिटल बैंकिंग के लिये नवाचारी प्लेटफॉर्मों की रचना की। यह बताता है कि वित्तीय समावेश एक शानदार निवेश है।

श्री गेट्स के 'संवाद' में पीएम गतिशक्ति मास्टर-प्लान, जी-20 अध्यक्षता, शिक्षा, नवोन्मेष, रोगों से लड़ना और मोटे अनाज के प्रति आग्रह जैसी उपलब्धियों पर भी बात की गई। श्री गेट्स ने अंत में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मेरी बातचीत ने स्वास्थ्य, विकास और जलवायु के क्षेत्र में भारत द्वारा की जाने वाली प्रगति के बारे में पहले से अधिक आशावान बना दिया है। भारत यह दर्शा रहा है कि जब हम नवाचार में निवेश करते हैं, तो क्या से क्या संभव हो जाता है। मुझे उम्मीद है कि भारत इस प्रगति को कायम रखेगा और दुनिया के साथ अपने नवाचारों को साझा करेगा। ■

'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' के तहत लगभग 16,000 करोड़ रुपये की 13वीं किस्त जारी

'पीएम किसान सम्मान निधि' के माध्यम से अब तक छोटे किसानों के खातों में 2.5 लाख करोड़ रुपये जमा किए जा चुके हैं, जिसमें से 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिला किसानों के खातों में जमा की जा चुकी है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 फरवरी को कर्नाटक के बेलगावी में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत लगभग 16,000 करोड़ रुपये की 13वीं किस्त की राशि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 8 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को जारी की। इस योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को 2000 रुपये की तीन समान किस्तों में कुल 6000 रुपये प्रतिवर्ष का लाभ प्रदान किया जाता है।

इस अवसर पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे समेत कर्नाटक सरकार के मंत्री भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बेलगावी के माध्यम से देश के प्रत्येक किसान को एक विशेष उपहार मिला है जहां पीएम-किसान से धन की एक और किश्त जारी की गई है। श्री मोदी ने कहा कि बस एक बटन के क्लिक से देश के करोड़ों किसानों के बैंक खातों में 16,000 करोड़ रुपये स्थानांतरित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि आज का बदलता भारत वंचितों को प्राथमिकता देते हुए एक के बाद एक विकास परियोजनाओं को पूरा कर रहा है। श्री मोदी ने जिक्र किया कि वर्तमान सरकार की प्राथमिकता छोटे किसान हैं। उन्होंने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से अब तक छोटे किसानों के खातों में 2.5 लाख करोड़ रुपये जमा किए जा चुके हैं, जिसमें से 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिला किसानों के खातों में जमा की जा चुकी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये पैसा किसानों की छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण जरूरतों का ख्याल रख रहा है।

श्री मोदी ने दोहराया कि देश का कृषि बजट जो 2014 से पहले 25,000 करोड़ रुपये था, वो अब बढ़ाकर 1,25,000 करोड़ कर दिया गया है। ये पांच गुना वृद्धि है। उन्होंने कहा कि ये देश के किसानों को समर्थन देने की भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। श्री मोदी ने तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया, जिससे किसानों को सीधा फायदा हो रहा है। ■

भारतीय रेल ने फरवरी, 2023 में 124.03 एमटी माल की रिकॉर्ड ढुलाई की

भारतीय रेल द्वारा निरंतर 30 महीनों के दौरान इस एक महीने में सर्वश्रेष्ठ माल ढुलाई की गई

रेल मंत्रालय द्वारा चार मार्च को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय रेल ने फरवरी, 2023 में 124.03 एमटी माल ढोकर फरवरी माह में अब तक का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड कायम किया। इस वर्ष फरवरी में 4.26 एमटी अधिक माल ढोया गया, जो फरवरी, 2022 में हुई सर्वाधिक माल ढुलाई की तुलना में 3.55 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, भारतीय रेल ने लगातार 30 महीने में अब तक की सर्वश्रेष्ठ मासिक माल ढुलाई की।

अप्रैल, 2022 से फरवरी, 2023 तक संचयी माल लदान 1367.49 मीट्रिक टन रहा है, जबकि 2021-22 1278.84 एमटी माल ढुलाई हुई। इस तरह पिछले वर्ष की तुलना में 6.93 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुये क्रमिक रूप से 88.65 एमटी माल ढुलाई में वृद्धि हुई।

फरवरी, 2023 में माल भाड़ा एनटीकेएम (निवल टन किलोमीटर) बढ़कर 73 अरब हो गया है, जो फरवरी, 2022 के 70 अरब की तुलना में 4.28 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल, 2022 से फरवरी, 2023 के दौरान संचयी मालभाड़ा एनटीकेएम पिछले वर्ष के 74 अरब की तुलना में इस बार 10.81 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 82 अरब रहा।

विद्युत और कोयला मंत्रालयों के सतत प्रयासों के माध्यम से भारतीय रेल ने बिजली घरों को कोयले की आपूर्ति बढ़ाने के लिए फरवरी माह में माल ढुलाई निष्पादन की प्रमुख विशेषताओं में से एक रहे हैं। वर्ष के पहले ग्यारह महीनों में भारतीय रेलवे ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में बिजली घरों को 79.69 मिलियन टन से अधिक अतिरिक्त कोयला लोड किया है, जिसमें 15.44% से अधिक की वृद्धि हुई। ■

1,46,960 करोड़ रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य के भुगतान के साथ कुल 713 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई

वर्तमान में जारी धान की खरीद से 1 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं तथा रबी फसल को शामिल करने के साथ यह उम्मीद की जाती है कि पूरे खरीफ विपणन सत्र 2022-23 के दौरान लगभग 900 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा सकती है

केन्द्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा तीन मार्च को जारी एक बयान के अनुसार खरीफ विपणन सत्र 2022-23 (खरीफ फसल) के लिए धान की खरीद से 1 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं। 01 मार्च, 2023 तक लगभग 713 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई और 1,46,960 करोड़ रुपये का न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान सीधे किसानों के खाते में स्थानांतरित कर दिया गया है।

खरीद की प्रक्रिया के निर्बाध संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। खरीदे गए धान के बदले चावल की आपूर्ति जारी है और 713 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद के बदले 01 मार्च, 2023 तक केंद्रीय पूल में लगभग 246 लाख मीट्रिक टन चावल प्राप्त किया गया है। देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय पूल में वर्तमान में चावल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

वर्तमान खरीफ विपणन सत्र 2022-23 की खरीफ फसल के लिए 766 लाख मीट्रिक टन धान (चावल के मामले में 514 लाख मीट्रिक टन) की खरीद का अनुमान लगाया गया है। वर्तमान खरीफ विपणन सत्र 2022-23 की रबी फसल के लिए लगभग 158 लाख मीट्रिक टन धान (चावल के मामले में 106 लाख मीट्रिक टन) की मात्रा की खरीद का अनुमान लगाया गया है। रबी फसल को शामिल करने के साथ यह उम्मीद की जाती है कि पूरे खरीफ विपणन सत्र 2022-23 के दौरान लगभग 900 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा सकती है। ■

23 राज्यों के 1049 बोलीदाताओं को बेचा गया 5.40 लाख मीट्रिक टन गेहूं

नीलामी के दौरान प्राप्त हुई कुल कीमत बताती है कि बाजार मंदा हो गया है और यह औसतन 2,200 रुपये प्रति क्विंटल से नीचे है तथा चौथी ई-नीलामी के बाद खुला बाजार बिक्री योजना (घरेलू) के तहत बेचे गए गेहूं की कुल मात्रा 45 लाख मीट्रिक टन के कुल आवंटन के मुकाबले 23.47 लाख मीट्रिक टन हो गई है

भारत सरकार द्वारा गेहूं एवं आटे की कीमत को नियंत्रित करने के उद्देश्य से बाजार हस्तक्षेप की दिशा में की जा रही पहल के तहत खुला बाजार बिक्री योजना (घरेलू) के माध्यम से गेहूं की बिक्री के लिए चौथी ई-नीलामी एक मार्च को आयोजित की गई। इस दौरान कुल 11.57 लाख मीट्रिक टन गेहूं की पेशकश की गई और 23 राज्यों में 1049 बोली लगाने वालों को 5.40 लाख मीट्रिक टन गेहूं बेचा गया।

केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार चौथी ई-नीलामी में प्राप्त अखिल भारतीय भारित औसत बिक्री मूल्य के मुकाबले 2193.82 रुपये/क्विंटल के भंडार को अखिल भारतीय भारित औसत आरक्षित मूल्य 2137.04 रुपये/क्विंटल के दाम पर बेचा गया।

चौथी ई-नीलामी में 100 से 499 मीट्रिक टन गेहूं की अधिकतम मांग हुई थी, जिसके बाद 500-999 मीट्रिक टन की मात्रा और फिर 50-100 मीट्रिक टन की मांग की गई थी। कुछ बोलियां एक बार में 3000 मीट्रिक टन गेहूं की अधिकतम मात्रा के लिए भी लगाई गई थीं।

पहली नीलामी 1 और 2 फरवरी, 2023 को आयोजित हुई थी, जिसमें 9.13 लाख मीट्रिक टन गेहूं 1016 बोलीदाताओं को 2474 रुपये प्रति क्विंटल के भारित औसत मूल्य पर बेचा गया था। 15 फरवरी, 2023 को संपन्न हुई दूसरी नीलामी के दौरान 3.85 लाख मीट्रिक टन गेहूं की मात्रा 1060 बोलीदाताओं को 2338 रुपये/क्विंटल के भारित औसत मूल्य पर बेची गई। इसके बाद 5.07 लाख मीट्रिक टन गेहूं तीसरी ई-नीलामी के माध्यम से 875 सफल बोलीदाताओं को विक्रय किया गया, जिसका भारित औसत मूल्य 2173 रुपये/क्विंटल था। नीलामी के दौरान प्राप्त हुई कुल कीमत बताती है कि बाजार मंदा हो गया है और यह औसतन 2,200 रुपये प्रति क्विंटल से नीचे है।

तीसरी ई-नीलामी तक 18 लाख मीट्रिक टन गेहूं का स्टॉक बेचा जा चुका है, जिसमें से 28.02.2023 तक 14.35 लाख मीट्रिक टन उठा लिया गया है। चौथी ई-नीलामी के बाद खुला बाजार बिक्री योजना (घरेलू) के तहत बेचे गए गेहूं की कुल मात्रा 45 लाख मीट्रिक टन के कुल आवंटन के मुकाबले 23.47 लाख मीट्रिक टन हो गई है। इस बिक्री ने पूरे देश में गेहूं और आटे की कीमत को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके खुला बाजार बिक्री योजना (घरेलू) के तहत गेहूं की खुली बिक्री के लिए भविष्य की निविदाओं के साथ स्थिर रहने की संभावना है। ■

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से 70 एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर विमान की खरीद को मिली मंजूरी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने एक मार्च को भारतीय वायु सेना के लिए 6,828.36 करोड़ रुपये की लागत से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से 70 एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर विमान की खरीद को मंजूरी दे दी। विमान की आपूर्ति छह वर्ष की अवधि में की जाएगी।

एचटीटी-40 एक टर्बो प्रॉप विमान है और इसे अच्छी कम गति से निपटने के गुणों और बेहतर प्रशिक्षण प्रभावशीलता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पूरी तरह से एरोबैटिक इस एक के पीछे एक सीट वाले टर्बो ट्रेनर में वातानुकूलित कॉकपिट, आधुनिक एवियोनिक्स, गर्म री-फ्यूलिंग, रनिंग चेंज ओवर और शून्य-शून्य इजेक्शन सीट है।

विमान नए शामिल पायलटों के प्रशिक्षण के लिए भारतीय वायुसेना के बुनियादी ट्रेनर विमान की कमी को पूरा करेगा। खरीद में सिमुलेटर सहित संबद्ध उपकरण और प्रशिक्षण सहायक शामिल होंगे। एक स्वदेशी उपाय होने के नाते विमान को भारतीय सशस्त्र बलों की भविष्य की आवश्यकताओं को शामिल करने के लिए अपग्रेड किया जा सकता है।

एचटीटी-40 में लगभग 56 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री है जो प्रमुख पुर्जों और उप-प्रणालियों के स्वदेशीकरण के माध्यम से 60 प्रतिशत से अधिक तक बढ़ जाएगी। एचएएल अपनी आपूर्ति श्रृंखला में एमएसएमई सहित भारतीय निजी उद्योग को शामिल करेगा। इस खरीद से लगभग 1,500 कर्मियों को प्रत्यक्ष रोजगार और 100 से अधिक एमएसएमई में फैले 3,000 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। एचटीटी-40 का अधिग्रहण भारतीय एयरोस्पेस रक्षा इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करेगा और 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में प्रयासों को बढ़ावा देगा। ■

जनवरी, 2023 में आठ प्रमुख उद्योगों की 7.8 प्रतिशत की हुई वृद्धि

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 28 फरवरी को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार आठ प्रमुख उद्योगों का संयुक्त सूचकांक जनवरी, 2022 के सूचकांक की तुलना में जनवरी 2023 के दौरान 7.8 प्रतिशत (अनंतिम) बढ़ा। उर्वरक, कोयला, बिजली, इस्पात, प्राकृतिक गैस, सीमेंट और रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन जनवरी, 2023 में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में बढ़ा है।

गौरतलब है कि आईसीआई चुने हुए आठ प्रमुख उद्योगों अर्थात कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली में उत्पादन का संयुक्त और एकल निष्पादन को मापता है। आठ प्रमुख उद्योगों में औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक (आईआईपी) में शामिल मदों के भार का 40.27 प्रतिशत शामिल होता है।

अप्रैल-जनवरी 2022-23 के दौरान आईसीआई की संचयी वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7.9 प्रतिशत (अनंतिम) थी।

कोयला— कोयला उत्पादन (भारांकः 10.33 प्रतिशत) जनवरी, 2023 में जनवरी, 2022 की तुलना में 13.4 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से जनवरी, 2022-23 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 16.1 प्रतिशत बढ़ गया।

बिजली— बिजली उत्पादन (भारांकः 19.85 प्रतिशत) जनवरी, 2023 में जनवरी, 2022 की तुलना में 12.0 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से जनवरी, 2022-23 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 10.1 प्रतिशत बढ़ गया।

उर्वरक— उर्वरक उत्पादन (भारांकः 2.63 प्रतिशत) जनवरी, 2023 में जनवरी, 2022 की तुलना में 17.9 प्रतिशत बढ़ गया। इसका संचयी सूचकांक अप्रैल से जनवरी, 2022-23 के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 10.5 प्रतिशत बढ़ा।

पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद— पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन (भारांकः 28.04 प्रतिशत) जनवरी, 2023 में जनवरी, 2022 की तुलना में 4.5 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से जनवरी, 2022-23 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5.4 प्रतिशत बढ़ गया।

स्टील— इस्पात उत्पादन (भारांकः 17.92 प्रतिशत) जनवरी, 2023 में जनवरी, 2022 की तुलना में 6.2 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से जनवरी, 2022-23 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7.1 प्रतिशत बढ़ा। ■

फरवरी, 2023 में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 12 प्रतिशत बढ़कर 1,49,577 करोड़ रुपये रहा

लगातार 12 महीनों के लिए मासिक जीएसटी राजस्व 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। आयात से वर्ष-दर-वर्ष राजस्व 6 प्रतिशत अधिक और घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) 15 प्रतिशत से अधिक रहा

केन्द्रीय वित्त मंत्रालय के अनुसार फरवरी, 2023 के दौरान संग्रहित सकल जीएसटी राजस्व 1,49,577 करोड़ रुपये का रहा, जिसमें से सीजीएसटी 27,662 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 34,915 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 75,069 करोड़ रुपये (माल के आयात पर संग्रहित 35,689 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 11,931 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर संग्रहित 792 करोड़ रुपये सहित) है।

केंद्र सरकार ने नियमित निपटान के रूप में आईजीएसटी से सीजीएसटी में 34,770 करोड़ रुपये तथा एसजीएसटी में 29,054 करोड़ रुपये का निपटान किया है। फरवरी, 2023 के महीने के दौरान नियमित निपटान के बाद केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व

सीजीएसटी के लिए 62,432 करोड़ रुपये तथा एसजीएसटी के लिए 63,969 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा, केंद्र ने जून, 2022 के महीने के लिए 16,982 करोड़ रुपये का शेष जीएसटी मुआवजा भी जारी किया था और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को 16,524 करोड़ रुपये जारी किए थे, जिन्होंने पिछली अवधि के लिए एजी प्रमाणित आंकड़े भेजे थे।

फरवरी, 2023 के महीने के दौरान राजस्व पिछले वर्ष के समान महीने में जीएसटी राजस्व की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है, जोकि 1,33,026 करोड़ रुपये था। महीने के दौरान वस्तुओं के आयात से राजस्व 6 प्रतिशत से अधिक तथा घरेलू कारोबार (सेवाओं के आयात सहित) से राजस्व पिछले वर्ष के समान महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक रहा।

जीएसटी लागू होने के बाद से इस महीने में सबसे अधिक 11,931 करोड़ रुपये का उपकर संग्रह हुआ। साथ ही, यह भी ध्यान देने की बात है कि आम तौर पर फरवरी 28 दिन का महीना होने के कारण राजस्व का संग्रह अपेक्षाकृत कम होता है। ■

भाजपा के वरिष्ठ नेता सोहन पोटाई नहीं रहे

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद श्री सोहन पोटाई का 9 मार्च को उनके कांकेर स्थित आवास पर निधन हो गया। वह 64 वर्ष के थे। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, पूर्व मुख्यमंत्री श्री रमन सिंह सहित अन्य नेताओं ने नेता के निधन पर शोक व्यक्त किया।

श्री पोटाई 1998 में दिग्गज कांग्रेसी नेता को हराकर सुर्खियों में आए थे। इसके बाद उन्होंने 1999, 2004 और 2009 में कांकेर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी के तौर पर जीत हासिल कर अपनी अलग पहचान बनाई।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने ट्वीट कर कहा, "कांकेर

श्रद्धांजलि

लोकसभा से पूर्व सांसद व भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री सोहन पोटाई जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उनका संपूर्ण जीवन आदिवासी व पिछड़े समाज के उत्थान को समर्पित रहा। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को श्री चरणों में स्थान दें।"

पूर्व मुख्यमंत्री श्री रमन सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए एक ट्वीट में कहा, " चार बार कांकेर से सांसद रहे भाजपा के कर्मठ नेता श्री सोहन पोटाई जी के निधन समाचार से मन व्यथित है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान और शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करें।" ■

मोदी स्टोरी

महिला दिवस 'नारी शक्ति' की गरिमा और अवसरों पर प्रधानमंत्री मोदीजी का जोर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की प्रगति में महिलाओं की भूमिका पर बार-बार जोर दिया है। कई अवसरों पर उन्होंने अपने भाषण को भारत के लोकाचार में निहित 'नारी शक्ति' पर ही केंद्रित किया है। यह महिलाओं की भूमिका के प्रति उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण का ही परिणाम है कि हमारी नारी शक्ति भारत में सबसे आगे है और हर संभव क्षेत्र में नेतृत्व कर रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र हो या सेवा क्षेत्र या उद्यमी बनना, भारत में महिलाएं दुनिया को जीतने के लिए आगे बढ़ रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कुछ दिलचस्प किस्से पेश कर रहे हैं, यह ऐसी घटनाएं हैं जो इस बात को स्पष्ट करती है कि कैसे श्री मोदी ने महिलाओं को आगे बढ़कर नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया।

हरियाणा से भाजपा की पूर्व सांसद श्रीमती सुधा यादव ने एक किस्सा साझा करते हुए बताया कि कैसे श्री मोदी ने उन्हें सांसद निधि के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं से जुड़े मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्रीमती यादव का कहना है कि जब वह सांसद बनीं, तो प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उन्हें सलाह दी कि आवंटित सांसद निधि का उपयोग अपने निर्वाचन क्षेत्र में बालिकाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए करें। वह आगे कहती हैं कि प्रधानमंत्री की सलाह के बाद उन्होंने रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ जिलों के सभी स्कूलों में शौचालय निर्माण को सुनिश्चित किया। साथ ही, उन्होंने यह भी पाया कि क्षेत्र की महिलाओं को पानी लाने के लिए सिर पर बर्तन रखकर लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, इसलिए उन्होंने सांसद निधि का एक हिस्सा क्षेत्र में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग किया और अधिकांश हिस्सों में घर तक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित किया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल खट्टर याद करते हैं कि उन्हें नवंबर 2015 में प्रधानमंत्री श्री मोदी का फोन आया और उन्होंने हरियाणा में गिरते लिंगानुपात पर अपनी चिंता व्यक्त की। तभी प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हरियाणा से शुरू किए जाने वाले 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के विचार को प्रस्तुत किया। 22 जनवरी, 2015 को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हरियाणा के पानीपत से 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के व्यापक अभियान की शुरुआत की। श्री खट्टर आगे कहते हैं कि इस अभियान का न केवल हरियाणा में बल्कि पूरे देश में इतना व्यापक प्रभाव हुआ कि अब यह मोदी सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। श्री खट्टर का कहना है कि यह अभियान धीरे-धीरे एक जन आंदोलन में बदल गया और परिणामस्वरुप 2014-15 में हरियाणा का लिंगानुपात जो 871 था, वह बढ़कर अब 923 हो गया है।

छत्तीसगढ़ से भाजपा सांसद सुश्री सरोज पांडे विधानसभा चुनाव की तैयारियों के दौरान 2011-12 का एक किस्सा साझा कर रही हैं। सुश्री पांडे कहती हैं कि श्री नरेन्द्र मोदी के प्रदेश प्रवास के दौरान उन्हें उनकी सहायता करने और सभी व्यवस्थाओं को देखने का काम सौंपा गया था। सुश्री पांडे याद करती हैं कि हेलीकॉप्टर पर चढ़ने के दौरान उन्हें कठिनाई हो रही थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने व्यस्त कार्यक्रम में उनकी समस्या पर ध्यान दिया और प्रोटोकॉल तोड़ते हुए उन्हें उस सीट की पेशकश की जहां उन्हें खुद बैठना था। हेलीकॉप्टर की उस सीट पर चढ़ना आसान था। सुश्री सरोज पांडे प्रधानमंत्री के व्यवहार से अभिभूत थीं, जो एक महिला सहकर्मी की सुविधा के लिए प्रोटोकॉल तोड़ने की हद तक चले गये थे। ■

कमल पुष्प
सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

हिंसा के सामने निडर

सतपाल कत्याल

जन्म : 05 जून, 19247
सक्रिय वर्ष : 1952 - 1991
स्थान : राज्य / जिला लुधियाना, पंजाब

श्री सतपाल कत्याल, अमृतसर, पंजाब, जिला पदाधिकारी रहे। श्री सतपाल कात्याल अपने शुरुआती दिनों में ही संघ परिवार से जुड़ गए थे। जनसंघ में शामिल होने के बाद उन्होंने राजनीति में सक्रिय तौर पर भाग लिया। उन्होंने नगर निगम का चुनाव लड़ा और वे तीन बार जीते। आपातकाल के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। उग्रवादी हिंसा के खिलाफ उनके कड़े रुख के कारण उनकी हत्या कर दी गई। वह क्षेत्र में अपने सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते थे। ■

अभूतपूर्व पैमाने पर राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान चलाकर भारत 34 लाख से अधिक लोगों की जान बचाने में था सक्षम

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने पिछले दिनों स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिटिवनेस द्वारा 'हीलिंग द इकोनॉमीः एस्टिमेटिंग द इकोनॉमिक इम्पैक्ट ऑफ इंडियाज वैक्सीनेशन एंड रिलेटेड मेजर' शीर्षक से वर्किंग पेपर जारी किया। प्रमुख बिंदु निम्न हैं:

लॉकडाउन का प्रभाव

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सांख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार 11 अप्रैल, 2010 तक बिना लॉकडाउन के कोविड-19 की संख्या लगभग 2 लाख (0.2 मिलियन) तक पहुंच सकती थी।
- लॉकडाउन के उपायों के कारण 11 अप्रैल, 2020 तक वास्तविक मामले सिर्फ तकरीबन 7500 तक पहुंच पाए, जिससे लॉकडाउन के पक्ष में स्थिति मज़बूत हुई।
- लॉकडाउन लागू करके 20 लाख मृत्यु की क्षति को टाला गया।
- आर्थिक सर्वेक्षण (2020-21) के अनुसार लॉकडाउन (मार्च-अप्रैल) के कारण 1,00,000 लोगों की जान बचायी गयी।
- कोविड-19 के 2,00,000 मामले सामने आ चुके होते अगर 11 अप्रैल, 2020 तक लॉकडाउन और नियंत्रण जैसे उपाय नहीं अपनाये गये होते।
- भारत मार्च-अप्रैल 2020 में लॉकडाउन के माध्यम से 1,00,000 (0.1 मिलियन) से अधिक जीवन रक्षा में सक्षम था। इसके अलावा, देश को अपने 100 शुरुआती मामलों से चरम तक पहुंचने में तकरीबन 175 दिन लगे, जबकि अधिकांश देश अपने पहले चरम पर पहुंच चुके थे। 50 दिनों से कम समय में (रूस, कनाडा, फ्रांस, इटली, जर्मनी आदि) शामिल थे।

वित्तीय पैकेज

- वित्तीय नीति के उपायों ने आर्थिक गतिविधियों पर सकारात्मक प्रभाव डाला और बेरोज़गारी को कम किया।
- मई 2020 में भारत ने अपने सकल घरेलू उत्पाद के तकरीबन 10 फीसदी के राहत पैकेज की घोषणा की– लगभग 20 लाख करोड़ रुपये (तकरीबन 282 बिलियन डॉलर)।
- महामारी के शुरुआती महीनों में भोजन तथा रसोई गैस के रूप में सहायता प्रदान करने वाले उपरोक्त उपायों के क्षेत्र में राहत प्रतिक्रिया अधिक थी। इस दिशा में कम आय वाले परिवारों को कैश ट्रांसफर, कम वेतन वाले श्रमिकों के लिये रोजगार का प्रावधान, स्वास्थ्य सेवा संबंधी क्षेत्र के श्रमिकों के लिये बीमा कवरेज जैसे उपाय शामिल थे।
- अक्टूबर और नवंबर, 2020 के दौरान घोषित उपायों में कुछ क्षेत्रों के लिये सहायता योजनाएं शामिल थीं, जिनमें से कुछ में व्यवसायों और गरीब परिवारों को ऋण सहायता तथा कुछ क्षेत्रों के लिये लक्षित सहायता शामिल थी।
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत राजस्थान, मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश में 89-94 फीसदी परिवार पैकेज में सीधे कैश ट्रांसफर से लाभांवित हुए और इस प्रकार कृषि क्षेत्र के लिये ऋण बाधाओं को कम करने पर सरकार के पैकेज का सकारात्मक असर देखा गया।
- दिल्ली में 75 फीसदी प्रवासी मज़दूर राहत उपायों से लाभांवित हुए।
- 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' पैकेज जीडीपी के तकरीबन 10 फीसदी तक पहुंच गया।
- एमएसएमई पर घोषित राहत पैकेजों का आर्थिक असर 110.18 अरब डॉलर के बराबर है। यह सकल घरेलू उत्पाद के तकरीबन 5.38 फीसदी है।
- अगर 9 फीसदी का शटडाउन दर लागू की जाये तो संख्या घटकर 100.26 बिलियन डालर हो जायेगी, जो कि सकल घरेलू उत्पाद के 4.90 फीसदी के आसपास बैठती है।

सामाजिक क्षेत्र एवं रोजगार पर प्रभाव

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का आर्थिक प्रभाव 26.24 अरब डॉलर है।
- वृद्धों, महिलाओं, किसानों तथा श्रमिक वर्ग के लोगों को शामिल करने वाले एक व्यापक पैकेज के साथ पीएमजीकेवाई ने यह सुनिश्चित किया कि इन लोगों की आजीविका पर प्रभाव कुछ हद तक कम हो, जबकि दूसरी तरफ पीएमजीकेएवाई के तहत मुफ्त भोजन वितरित करके सरकार ने गरीब लोगों के लिये यह सुनिश्चित किया कि कोई भी भूखा न सोए।
- 59,84,256 लाभार्थियों ने 'आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना' का लाभ उठाया। योजना का आर्थिक प्रभाव 7 बिलियन डालर रहा।
- 'पीएम गरीब कल्याण रोजगार योजना' के माध्यम से 50.78 करोड़ मानव दिवस के अवसर प्रदान किये गए।
- यह देखते हुए कि यह योजना एक व्यक्ति के लिये 125 दिनों के रोजगार की पेशकश करती है। लाभार्थियों की गणना 50.78 करोड़ मानव दिवस/125 दिनों के तौर पर की जा सकती है। इस तरह योजना के लाभार्थियों की संख्या 40,62,400 हो जाती है।
- इस योजना का आर्थिक प्रभाव 4.81 अरब डॉलर रहा।

कृषि पर प्रभाव

- नाबार्ड योजना के तहत 30,000 करोड़ रुपये (4.23 बिलियन डॉलर) स्वीकृत किये गये थे, जिसमें से 25,000 करोड़ रुपये (3.52 बिलियन डॉलर) सहकारी समितियों, जिला सहकारी समितियों तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को वितरित किये गए।

- सरकार ने नाबार्ड द्वारा पूर्व में स्वीकृत 90,000 करोड़ रुपये (12.70 बिलियन डॉलर) से अधिक के आपातकालीन पूंजी कोष की घोषणा की।
- 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' के तहत 8 लाख से अधिक लाभार्थियों ने खुद को नामांकित किया और मछुआरों के कल्याण के लिये तकरीबन 361 करोड़ रुपये (0.05 बिलियन डॉलर) की राशि खर्च की गयी थी। यह महत्वपूर्ण था, क्योंकि यह क्षेत्र प्राथमिक स्तर पर और मूल्य श्रृंखला के साथ लगभग दोगुनी संख्या में तकरीबन 16 मिलियन मछुआरों तथा मत्स्य किसानों को आजीविका प्रदान करता है।
- फार्म गेट इंफ्रास्ट्रक्चर के लिये कृषि आधारभूत संरचना कोष अनिवार्य रूप से पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर तथा कम्युनिटी फर्मिंग प्रोजेक्ट्स में निवेश के लिये दीर्घ अवधि ऋण वित्तपोषण योजना का माध्यम था।
- इस योजना ने 7677 करोड़ रुपये (1.08 बिलियन डॉलर) की कुल सहायता के साथ तकरीबन 10,394 परियोजनाओं की मदद की।
- चौथी योजना; किसान क्रेडिट कार्ड, एक ऐसी योजना थी जिसमें पीएम-किसान लाभार्थियों के कवरेज पर विशेष ध्यान देने के साथ पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य पालन करने वाले किसानों सहित सभी किसानों को संस्थागत रियायती ऋण तक सार्वभौमिक पहुंच पदान करने की परिकल्पना की गयी।
- यह योजना लगभग 2,00,000 करोड़ रुपये (28.21 बिलियन डॉलर) के परिव्यय के साथ लगभग 1,35,000 करोड़ रुपये (19.04 बिलियन डॉलर) की स्वीकृत क्रेडिट सीमा के साथ तकरीबन 2.5 करोड़ लाभार्थियों को कवर करती है।
- पांचवीं योजना; ऑपरेशन ग्रीन योजना का उद्देश्य फलों और सब्जियों के उत्पादकों को लॉकडाउन के कारण संकट में बिक्री करने से बचाना और फसल कटाई के बाद के नुकसान को कम करना था।
- इसमें दो घटकों की लागत के 50 फीसदी की दर से सब्सिडी शामिल है; अधिशेष उत्पादन क्लस्टर से उपभोग केन्द्र तक पात्र फसलों का परिवहन और पात्र फसलों के लिये। उपयुक्त भंडारण सुविधाओं को किराये पर लेना (अधिकतम 3 महीने की अवधि के लिये)।
- महामारी से पहले, इस योजना में टमाटर, प्याज और आलू शामिल थे; हालांकि महामारी को देखते हुए इस योजना का विस्तार 41 अधिसूचित फलों और सब्जियों (अल्पावधि) तथा फलों और सब्जियों (दीर्घकालिक) तक किया गया।
- संख्या के संदर्भ में योजना को 38.22 करोड़ रुपये (5.39 मिलियन डॉलर) का आवंटन मिला, जिसमें से 38.21 करोड़ रुपये (5.38 मिलियन डॉलर) वितरित किये गए।
- छठी योजना; राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन तथा शहद मिशन के तहत 88 करोड़ रुपये (12.41 मिलियन डॉलर) की राशि वाली 45 परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी।

49.4 अरब डॉलर के रूप में कुल राशि आवंटित की गयी।
प्राप्त/वितरित कुल राशि: 23.7 बिलियन डॉलर।

कोविड-19 टीकाकरण का प्रभाव

- भारत अभूतपूर्व पैमाने पर राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान चलाकर 34 लाख से अधिक लोगों की जान बचाने में सक्षम था।
- **प्रत्यक्ष प्रभाव-** टीकाकरण के कारण सुरक्षित जीवन से उत्पन्न संभावित आयः 1.5 बिलियन डॉलर (11,000 करोड़ रुपये) (न्यूनतम मज़दूरी पद्धति के उपयोग पर आधारित)।
- **कुल प्रभाव-** टीकाकरण के कारण जीवन रक्षा के गुणक प्रभावः 3.87 बिलियन डॉलर (27,000 करोड़ रुपये) (न्यूनतम मज़दूरी पद्धति के उपयोग पर आधारित)।

जीडीपी प्रति व्यक्ति नियोजित

- **स्थिर मूल्यों पर,** नियोजित प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के संदर्भ में जीवन रक्षा का प्रत्यक्ष प्रभावः 5.2 बिलियन डॉलर (37,000 करोड़ रुपये)।
- शुद्ध लाभ/लागतः 2.44 अरब डॉलर।
- **मौजूदा कीमतों पर-** नियोजित प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के संदर्भ में जीवन रक्षा का प्रत्यक्ष प्रभावः 7.2 बिलियन डॉलर (51,200 करोड़ रुपये)।
  शुद्ध लाभ/लागतः 4.44 अरब डॉलर
- **स्थिर कीमतों पर कुल प्रभाव-** नियोजित प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के संदर्भ में जीवन रक्षा से गुणक प्रभावः 13 बिलियन डॉलर (92,600 करोड़ रुपये)।
  शुद्ध लाभ/लागतः 10.28 अरब डॉलर।
- **मौजूदा कीमतों पर,** नियोजित प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जीवन रक्षा से गुणक प्रभावः 18 बिलियन डॉलर।
  शुद्ध लाभ/लागतः 15.28 अरब डॉलर।

प्रमुख सीख

- यदि न्यूनतम मजदूरी को आयु वितरण श्रेणी के साथ माना जाये तो टीकाकरण का प्रत्यक्ष तथा कुल प्रभाव तकरीबन 1.03 अरब डालर से 2.58 अरब डॉलर के बीच है।
- हालांकि, यह तकरीबन 3.49 बिलियन डॉलर से 8.7 बिलियन डॉलर के बीच भिन्न था, यदि प्रति व्यक्ति नियोजित (स्थिर) सकल घरेलू उत्पाद पर विचार किया जाये।
- टीकाकरण (कार्यशील आयु वर्ग में) के माध्यम से बचाये गये जीवन की संचयी जीवन भर की कमाई 21.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच गयी।
- इसके अलावा, चूंकि टीकाकरण ने बुजुर्गों के जीवन को भी बचाया, इसने अप्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को चरमराने से रोकने में मदद की और इस तरह मौजूदा स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के अधिक विवेकपूर्ण उपयोग के अवसर प्रदान किये।
- इसलिए यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि जीवन और आजीविका की सुरक्षा के दोहरे उद्देश्य को हासिल करने में टीकाकरण प्रभावशाली रहा। ■

दिल्ली-कर्नाटक संघ के अमृत महोत्सव 'बरिसू कन्नड़ दिम दिमावा' का उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 25 फरवरी को 'बरिसू कन्नड़ दिम दिमावा' सांस्कृतिक उत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। यह उत्सव आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में आयोजित किया गया और कर्नाटक की संस्कृति, परंपराओं और इतिहास का उत्सव मनाया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली-कर्नाटक संघ गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने टिप्पणी की कि दिल्ली कर्नाटक संघ का 75वीं वर्षगांठ समारोह ऐसे समय में हो रहा है जब देश आजादी के 75 साल का अमृत महोत्सव मना रहा है। श्री मोदी ने कहा कि जब हम 75 साल पहले की परिस्थितियों का विश्लेषण करते हैं तो भारत की अमर आत्मा के दर्शन होते हैं।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक संघ की स्थापना; लोगों के पहले कुछ वर्षों के दौरान और आज अमृत काल के प्रारंभ में देश को मजबूत करने के लिए लोगों के दृढ़ संकल्प का प्रमाण है कि समर्पण और ऊर्जा एक ही मात्रा में दिखाई दे रही है। श्री मोदी ने उन सभी की सराहना की, जो कर्नाटक संघ की इस 75 साल की यात्रा का हिस्सा हैं।

प्रधानमंत्री ने मध्ययुगीन काल का भी उल्लेख किया, जब आक्रमणकारी देश को तबाह कर रहे थे और सोमनाथ जैसे शिवलिंगों को नष्ट कर रहे थे, उस समय देवरा दासिमय्या, मदारा चेन्नईयाह, दोहरा कक्कैया और भगवान बसवेश्वर जैसे संतों ने लोगों को अपनी आस्था से जोड़ा। इसी प्रकार रानी अब्बाक्का, ओनाके ओबवा, रानी

चेन्नम्मा, क्रांतिवीर संगोली रायन्ना जैसे योद्धाओं ने विदेशी शक्तियों का सामना किया। श्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद कर्नाटक के गणमान्य व्यक्तियों ने भारत को प्रेरित करना जारी रखा।

श्री मोदी ने एक भारत श्रेष्ठ भारत के मंत्र को जीने के लिए कर्नाटक के लोगों की सराहना की। उन्होंने कवि कुवेम्पु द्वारा 'नाद गीते' के बारे में बात की और श्रद्धेय गीत में खूबसूरती से व्यक्त की गई राष्ट्रीय भावनाओं की प्रशंसा की। श्री मोदी ने कहा कि इस गीत में भारत की सभ्यता को चित्रित किया गया है और कर्नाटक की भूमिका व महत्व का वर्णन किया गया है। उन्होंने कहा कि जब हम इस गीत की भावना को समझते हैं, तो हमें एक भारत श्रेष्ठ भारत का सार भी मिलता है। ■

कर्नाटक में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 फरवरी को कर्नाटक के शिवमोग्गा में 3,600 करोड़ रुपये से अधिक लागत की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने शिवमोग्गा हवाई अड्डे का भी उद्घाटन किया और उसमें उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया।

श्री मोदी ने शिवमोग्गा में दो रेल परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी, जिसमें शिवमोग्गा-शिकारीपुरा-रानीबेन्नूर नई रेलवे लाइन और कोटेगांगुरु रेलवे कोचिंग डिपो शामिल हैं। उन्होंने 215 करोड़ रुपये से अधिक की संचयी लागत से विकसित की जाने वाली कई सड़क विकास परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन के तहत 950 करोड़ रुपये से अधिक लागत की बहु-ग्राम योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। शिवमोग्गा शहर में 895 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 44 स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का भी उन्होंने उद्घाटन किया।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने राष्ट्रकवि कुवेम्पु की भूमि को नमन किया जिनकी एक भारत श्रेष्ठ भारत के प्रति समर्पण की भावना आज भी जीवित है। शिवमोग्गा में नवनिर्मित हवाई अड्डे का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लंबे समय के बाद नागरिकों की जरूरतें पूरी हुई हैं। इस शानदार हवाई अड्डे की सुंदरता और निर्माण पर टिप्पणी करते हुए श्री मोदी ने कर्नाटक की परंपराओं और प्रौद्योगिकी के समामेलन पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक हवाई अड्डा ही नहीं है, बल्कि एक ऐसा अभियान है जहां युवा पीढ़ी के सपने उड़ान भर सकते हैं। श्री मोदी ने 'हर घर नल से जल' परियोजनाओं के साथ-साथ सड़क और रेल परियोजनाओं का भी जिक्र किया, जिनकी नींव आज रखी जा रही है। उन्होंने इन जिलों के नागरिकों को बधाई दी। ■

हमारी सरकार राष्ट्र के प्रति वचनबद्ध है

डॉ. के लक्ष्मण

हमारी सरकार राष्ट्र के प्रति वचनबद्ध है। पचहत्तर वर्षों के बाद भारत के इतिहास में पहली बार आदिवासी समुदाय की किसी महिला ने दोनों सदनों के सांसदों को संबोधित किया है। राष्ट्रपति ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि अमृत काल की यह 25 वर्ष की अवधि आजादी की स्वर्ण शताब्दी और विकसित भारत के निर्माण की अवधि है। यह एक परिवर्तनकारी समय है और हमें इस अवसर के लिए दक्षता से काम करना है। उन्होंने स्थिर सरकार चुनने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया।

भारत 2047 तक एक गरीबी मुक्त देश होगा, जिसमें एक समृद्ध मध्यम वर्ग अपने युवाओं और महिलाओं द्वारा निर्देशित होगा। हमें ऐसा भारत बनाना है, जो आत्मनिर्भर हो, जिसमें गरीबी न हो, जिसका मध्यम वर्ग संपन्नता से भरा हो, ऐसा भारत जिसमें देश की युवा शक्ति और नारी शक्ति देश को दिशा देने के लिए सबसे आगे खड़ी हो। आज विश्व हर समस्या के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है— चाहे वह कोविड-19 हो, आतंकवाद हो या विश्व शांति वार्ता हो। हमारा देश दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में यह बात रखी है कि मोदी जी के मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा गांव, गरीब, किसान और मजदूरों को विभिन्न मूलभूत सुविधाएं कैसे प्रदान की जाएंगी।

हमारी सरकार ने इस आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के दौरान हमारे स्वतंत्रता सेनानियों, हमारे नेताओं और गुमनाम नायकों के गौरव और बलिदान को पुनर्जीवित किया है। गुरु तेग बहादुर का 400वां प्रकाश पर्व, श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती, चिदंबरम पिल्लई की 150वीं जयंती, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती न केवल हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगी, बल्कि उन्हें हमारे राष्ट्र के प्रति वचनबद्ध भी बनाएगी।

> **गरीबों के स्वास्थ्य के लिए 'आयुष्मान भारत योजना' लाई गई। इसे दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम माना जा रहा है। आज, 80 हजार करोड़ रुपये की लागत से करीब 50 करोड़ लोगों का निःशुल्क इलाज हो रहा है। सरकार ने देश भर में 9,000 जन औषधि केंद्र भी स्थापित किए हैं जहां लोग कम कीमत पर जेनेरिक दवाएं खरीद सकते हैं। नतीजतन, पिछले कुछ वर्षों में गरीब लोगों के 20,000 करोड़ रुपये बचे हैं**

जहां तक नई शिक्षा नीति की बात है तो लगभग सभी राज्यों में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा दिया गया है। मैं दस राज्यों के 19 इंजीनियरिंग कॉलेजों में छह भारतीय भाषाओं में पढ़ाई की शुरुआत करने के लिए सरकार को धन्यवाद देता हूं।

'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत दिसंबर, 2022 तक लगभग 1,34,396 गांवों को 100 प्रतिशत ओडीएफ घोषित किया जा चुका है।

कोरोना काल में 'प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना' की शुरुआत की गई थी। गरीब स्ट्रीट वेंडर्स, जिनका रोजगार छिन गया था, को बिना किसी संपार्श्विक सुरक्षा के सहायता प्रदान की गई। पूरे देश के लगभग 45.32 लाख गरीब रेहड़ी-पटरी वालों को रोजगार देने के लिए 4606 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी गई।

गरीबों के स्वास्थ्य के लिए 'आयुष्मान भारत योजना' लाई गई। इसे दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम माना जा रहा है। आज, 80 हजार करोड़ रुपये की लागत से करीब 50 करोड़ लोगों का निःशुल्क इलाज हो रहा है। सरकार ने देश भर में 9,000 जन औषधि केंद्र भी स्थापित किए हैं जहां लोग कम कीमत पर जेनेरिक दवाएं खरीद सकते हैं। नतीजतन, पिछले कुछ वर्षों में गरीब लोगों के 20,000 करोड़ रुपये बचे हैं। देखा जाए तो, आयुष्मान भारत के कारण 80,000 करोड़ रुपये और 9,000 जन औषधि केंद्रों के माध्यम से 20,000 करोड़ की बचत हुई है। इसका मतलब है कि लोगों ने लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की बचत की है।

इस सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही सभी योजनाओं के केंद्र में महिला सशक्तीकरण है। नागालैंड की हमारी बहन को राज्यसभा की पहली महिला सदस्य बनाया जा रहा है। नागालैंड की एक महिला ही नहीं, एक अति पिछड़े क्षेत्र और पिछड़े समुदाय की सम्मानित महिला सदस्य को इस सरकार द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है।

जब 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' की बात आती है, तो देखा गया है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या में अधिक वृद्धि हुई है। इस कार्यक्रम से महिलाओं के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है।

भौतिक अधोसंरचना के मामले में देश में ग्रामीण सड़कों का जाल बढ़कर सात लाख किलोमीटर से अधिक हो गया है। उड़ान योजना के तहत अब हवाई अड्डों की संख्या बढ़कर 147 हो गई है। एक आधुनिक सेमी-हाई स्पीड ट्रेन 'वंदे भारत' भारतीय रेलवे का हिस्सा बन गई है।

यूपीए सरकार के समय अविभाजित आंध्र प्रदेश के लिए रेलवे को 886 करोड़ रुपये दिए गए थे, लेकिन केंद्र सरकार ने तेलंगाना के लिए विशेष रूप से 4,418 करोड़ रुपये दिए हैं। तेलंगाना के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत 29,581 करोड़ रुपये है। अगर राज्य समर्थन करता है तो इसे और बढ़ाया जा सकता है। दुर्भाग्य से, हमारे रेल मंत्री और रेल मंत्रालय की ओर से नियमित रूप से याद दिलाने के बावजूद तेलंगाना राज्य सरकार से बहुत कम समर्थन मिल रहा है।

जहां तक कृषि का संबंध है, कृषि को लाभदायक बनाने और किसानों के बोझ को कम करने के लिए सरकार ने 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' शुरू की है। इस योजना से देश के लगभग 11 करोड़ किसान, विशेषकर तीन लाख महिला किसान लाभान्वित हुए हैं। महिला किसानों को 50,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं और किसानों को कुल मिलाकर 2.25 लाख करोड़ रुपए डीबीटी के जरिए किये गये हैं। आज एक रुपया भी जाता है तो सीधे गरीबों के खाते में पहुंचता है। यह सरकार की पारदर्शिता है।

बाजरा 'श्री अन्न' पर आते हैं, सरकार ने संयुक्त राष्ट्र को वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित करने के लिए मना लिया है। 'श्री अन्न' अनाज अत्यधिक पौष्टिक होते हैं और बाजार में उपलब्ध हैं। हमारे देश में लगभग 90 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत किसान हैं। 'श्री अन्न' के अधिक सेवन से इन छोटे किसानों को आर्थिक रूप से मदद मिलेगी। वर्तमान बजट के तहत हैदराबाद में एक 'आईआईएमआर रिसर्च सेंटर' विपणन, प्रशिक्षण और किसानों की मदद के लिए स्वीकृत किया गया है।

देश अब विनिर्माण क्षमता में वृद्धि के साथ ही 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के लाभों को देख रहा है। आज हम 'मेक इन इंडिया' के तहत स्वदेशी तौर पर हवाई जहाज में हेयर पिन जैसी विविध चीजें बना रहे हैं। मोबाइल फोन के आयात में कमी आई है, क्योंकि भारत मोबाइल फोन का प्रमुख निर्यातक बन गया है। पहले स्वदेशी रूप से विकसित विमानवाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' के सफल संचालन के साथ रक्षा निर्यात भी छह गुना बढ़ गया है। मोदी सरकार के प्रयासों से खादी की बिक्री भी चार गुना बढ़ गई है। मोदी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में निर्णायक रही है। भारत अब दुनिया को समस्याओं का समाधान दिखा रहा है, विशेष रूप से जी-20 की अपनी अध्यक्षता के माध्यम से और यूक्रेन युद्ध में इसकी भूमिका और दुनिया का फार्मेसी हब होने के नाते।

सामाजिक न्याय के तहत प्रधानमंत्री 'आदि आदर्श ग्राम योजना' के तहत 36,000 से अधिक आदिवासी बहुल गांवों का विकास किया जा रहा है और देश में आदिवासी क्षेत्रों में 400 से अधिक एकलव्य मॉडल स्कूल खोले गए हैं। इसलिए हम विश्वास के साथ कहते हैं कि हमारे पास एक नेता है, एक दृष्टि है और सही इरादा है। हमें समाज के हर वर्ग का ख्याल है।

सरकार एक ओर जहां अयोध्या धाम, काशी-विश्वनाथ धाम, श्री महाकाल आदि धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों का विकास कर रही है, वहीं दूसरी ओर नये संसद भवन और हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनवा रही है। साथ ही, भारत को दुनिया की सबसे बड़ी अंतरिक्ष शक्ति बनाने की दिशा में प्रयास जारी है। मोदी जी ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए एक जन आंदोलन खड़ा किया है। मैं 12वीं तक मुफ्त शिक्षा देने के लिए तेलंगाना के 74,000 छात्रों की ओर से सरकार को धन्यवाद देता हूं।

जहां तक जी-20 का संबंध है, यह दुनिया की 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का एक अनूठा मंच है, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग 85 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत और वैश्विक आबादी का 60 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष होने के नाते मोदी जी ने यूएन, आईएमएफ और डब्ल्यूएचओ जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भी आमंत्रित किया है। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने एवं वैश्विक चुनौतियों जैसे आर्थिक विकास, सतत विकास, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और महामारी जैसी का सामना करने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसे केवल आपसी सहयोग के माध्यम से प्रभावी ढंग से हल किया जा सकता है। ■

कृषि को लाभदायक बनाने और किसानों के बोझ को कम करने के लिए सरकार ने 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' शुरू की है। इस योजना से देश के लगभग 11 करोड़ किसान, विशेषकर तीन लाख महिला किसान लाभान्वित हुए हैं। महिला किसानों को 50,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं और किसानों को कुल मिलाकर 2.25 लाख करोड़ रुपए डीबीटी के जरिए किये गये हैं। आज एक रुपया भी जाता है तो सीधे गरीबों के खाते में पहुंचता है

(राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करते हुए भाजपा सांसद डॉ. के लक्ष्मण द्वारा राज्यसभा में दिए गए भाषण के अंश)

प्रधानमंत्री ने जी–20 के विदेश मंत्रियों की बैठक को किया सम्बोधित

“जी-20 की भारत की अध्यक्षता ने ग्लोबल साउथ की आवाज उठाने का प्रयास किया है”

विश्वयुद्ध के बाद वैश्विक शासन, भावी युद्धों को रोकने और साझा हितों के मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रेरित करने, दोनों में विफल रहा है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो मार्च को वीडियो संदेश के माध्यम से जी-20 के विदेश मंत्रियों की बैठक को सम्बोधित किया। उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि भारत ने क्यों अपनी जी-20 अध्यक्षता के लिये ‘एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य’ की विषयवस्तु का चयन किया है। उन्होंने बताया कि यह विषयवस्तु उद्देश्य में एकजुटता और कार्रवाई में एकजुटता की जरूरत का संकेत देती है। श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि आज की बैठक में साझा और ठोस उद्देश्यों को हासिल करने के लिये एकजुटता की भावना परिलक्षित होगी।

आज दुनिया में बहुपक्षवाद पर व्याप्त संकट को मद्देनजर रखते हुए प्रधानमंत्री ने दो मुख्य कारकों की तरफ संकेत किया, जिन्हें द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद इसलिए तैयार किया गया था, ताकि उन्हें वैश्विक शासन के ढांचे के रूप में इस्तेमाल किया जाये। श्री मोदी ने कहा कि सबसे पहले प्रतिस्पर्धी हितों को संतुलित करके और दूसरे साझा हितों के मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिये भावी युद्धों को रोकने की बात थी।

वित्तीय संकट, जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद और पिछले कुछ वर्षों में होने वाले युद्धों को मद्देनजर रखते हुए श्री मोदी ने गौर किया कि वैश्विक शासन, दोनों मामलों में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा कि इस नाकामी के दुःखदायी परिणामों को लगभग सभी विकासशील देशों को भोगना पड़ रहा है तथा दुनिया वर्षों की प्रगति के बाद सतत विकास के चौपट हो जाने की कगार पर है।

ग्लोबल वार्मिंग से सबसे अधिक पीड़ित हैं विकासशील देश

श्री मोदी ने यह भी गौर किया कि अनेक विकासशील देश अपने लोगों के लिये खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश तो कर रहे हैं, लेकिन वे ऐसे कर्जों से जूझ भी रहे हैं, जिन्हें चुकाना कठिन हो गया है। उन्होंने यह भी गौर किया कि ये विकासशील देश ही हैं, जो अमीर देशों के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग से सबसे अधिक पीड़ित हैं।

श्री मोदी ने इस बात का संकेत किया कि कोई भी समूह बिना उनकी आवाज सुने, जो उसके फैसलों से प्रभावित होते हैं, कभी भी वैश्विक नेतृत्व का दावा नहीं कर सकता। इस क्रम में उन्होंने कहा कि जी-20 की भारत की अध्यक्षता ने ग्लोबल साउथ की आवाज उठाने का प्रयास किया है।

प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि आज की बैठक गहरे वैश्विक विघटन के समय हो रही है और विदेश मंत्री होने के नाते सबके लिये यह स्वाभाविक है कि चर्चा पर आज के भू-राजनीतिक तनावों का असर पड़ेगा। श्री मोदी ने कहा कि हम सबकी अपनी-अपनी दृष्टि और परिप्रेक्ष्य हैं कि कैसे इन तनावों को दूर किया जा सकता है।

उन्होंने जोर दिया कि जो लोग इस कक्ष में उपस्थित नहीं हैं, तो दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाएं होने के नाते उनकी जिम्मेदारी हमारे ऊपर है। श्री मोदी ने कहा कि दुनिया प्रगति, विकास, आर्थिक समायोजन, आपदा प्रतिरोधी क्षमता, वित्तीय स्थिरता, सीमापार अपराध, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा की चुनौतियों को हल करने के लिये जी-20 की तरफ देख रही है। इस क्रम में प्रधानमंत्री ने गौर किया कि आम सहमति बनाने और इन सभी क्षेत्रों में ठोस परिणाम देने में जी-20 क्षमतावान है।

प्राकृतिक आपदाओं और संकटपूर्ण महामारी में हजारों लोगों के प्राण चले जाने की घटनाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने गौर किया कि तनाव और टकराव के दौरान कैसे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला टूट गई। स्थिर अर्थव्यवस्थाएं कैसे अचानक ऋण और वित्तीय संकट में फंस गईं, इसका हवाला देते हुए श्री मोदी ने जोर दिया कि यह हमारे समाजों, अर्थव्यवस्थाओं, स्वास्थ्य सुविधा प्रणालियों और अवसंचरना में लचक दिखाने का समय है।

श्री मोदी ने कहा कि एक तरफ विकास और दक्षता के बीच सही संतुलन कायम करने में और दूसरी तरफ प्रतिरोध-क्षमता के लिये जी-20 की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सुझाव दिया कि साथ मिलकर काम करने से यह संतुलन आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। ■

देश के कोने-कोने में दिख रही है 'डिजिटल इंडिया' की ताकत: नरेन्द्र मोदी

भारत का ई-संजीवनी ऐप्प हो या फिर यूपीआई, ये 'ईज ऑफ़ लिविंग' को बढ़ाने में बहुत मददगार साबित हुए हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 फरवरी को 'मन की बात' की 98वीं कड़ी में देश में डिजिटल इंडिया की बढ़ती पहुंच, ऐप्प 'ई-संजीवनी', यूपीआई, देश की अनेक महान परंपराओं के पुनर्जीवित करने हेतु चल रहे प्रयासों समेत कई विषयों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि तेजी से आगे बढ़ते हमारे देश में डिजिटल इंडिया की ताकत कोने-कोने में दिख रही है। डिजिटल इंडिया की शक्ति को घर-घर पहुंचाने में अलग-अलग ऐप्स की बड़ी भूमिका होती है। ऐसा ही एक ऐप्प है ई-संजीवनी। इस ऐप्प से टेली-कंसल्टेशन यानी दूर बैठे वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से डॉक्टर से अपनी बीमारी के बारे में सलाह कर सकते हैं। इस ऐप्प का उपयोग करके अब तक टेली-कंसल्टेशन करने वालों की संख्या 10 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है।

श्री मोदी ने कहा कि वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से 10 करोड़ कंसल्टेशंस! मरीज और डॉक्टर के साथ अद्भुत नाता; ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों ने तकनीक को कैसे अपने जीवन का हिस्सा बनाया है, ये इसका जीता-जागता उदाहरण है। हमने देखा है कि कोरोना के काल में ई-संजीवनी ऐप्प के जरिए टेली-कंसल्टेशन लोगों के लिए एक बड़ा वरदान साबित हुआ है।

दुनिया के कई देशों में यूपीआई का आकर्षण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत के यूपीआई की ताकत भी आप जानते ही हैं। दुनिया के कितने ही देश इसकी तरफ आकर्षित हैं। कुछ दिन पहले ही भारत और सिंगापुर के बीच 'यूपीआई पे नाउ' लिंक लॉन्च किया गया। अब सिंगापुर और भारत के लोग अपने मोबाइल फ़ोन से उसी तरह पैसे ट्रान्सफर कर रहे हैं, जैसे वे अपने-अपने

देश के अन्दर करते हैं। मुझे खुशी है कि लोगों ने इसका लाभ उठाना शुरू कर दिया है। भारत का ई-संजीवनी ऐप्प हो या फिर यूपीआई, ये ईज ऑफ़ लिविंग को बढ़ाने में बहुत मददगार साबित हुए हैं।

श्री मोदी ने कहा कि जब हमने 'मन की बात' में भारत के पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहन की बात की थी, तुरंत उस समय देश में एक लहर सी उठ गई भारतीय खेलों के जुड़ने की, इनमें रमने की, इन्हें सीखने की। 'मन की बात' में जब भारतीय खिलौनों की बात हुई, तो देश के लोगों ने इसे भी हाथों-हाथ बढ़ावा दे दिया। अब तो भारतीय खिलौनों का इतना क्रेज हो गया है कि विदेशों में भी इनकी डिमांड बहुत बढ़ रही है।

अनेक महान परंपराएं हो रही हैं पुनर्जीवित

'मन की बात' के दौरान उन्होंने कहा कि हमारे देश में ऐसी अनेक महान परम्पराएं भी हैं, जो लुप्त हो चुकी थी, लोगों के मन-मस्तिष्क से हट चुकी थी, लेकिन अब इन्हें जनभागीदारी की शक्ति से पुनर्जीवित करने का प्रयास हो रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में त्रिबेनी को सदियों से एक पवित्र स्थल के रूप में जाना जाता है। इसका उल्लेख विभिन्न मंगलकाव्य, वैष्णव साहित्य, शाक्त साहित्य और अन्य बंगाली साहित्यिक कृतियों में भी मिलता है। विभिन्न ऐतिहासिक दस्तावेजों से यह पता चलता है कि कभी ये क्षेत्र संस्कृत, शिक्षा और भारतीय संस्कृति का केंद्र था। कई संत इसे माघ संक्रांति में कुंभ स्नान के लिए पवित्र स्थान मानते हैं। त्रिबेनी में आपको कई गंगा घाट, शिव मंदिर और टेराकोटा वास्तुकला से सजी प्राचीन इमारतें देखने को मिल जाएंगी।

उन्होंने कहा कि त्रिबेनी की विरासत को पुनर्स्थापित करने और कुंभ परंपरा के गौरव को पुनर्जीवित करने के लिए यहां पिछले साल कुंभ मेले का आयोजन किया गया था। सात सदियों बाद तीन दिन के कुंभ महास्नान और मेले ने इस क्षेत्र में एक नई ऊर्जा का संचार किया है। तीन दिनों तक हर रोज होने वाली गंगा आरती, रुद्राभिषेक और यज्ञ में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस बार हुए महोत्सव में विभिन्न आश्रम, मठ और अखाड़े भी शामिल थे।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे युवाओं को देश के सुनहरे अतीत से जोड़ने का यह एक बहुत ही सराहनीय प्रयास है। भारत में ऐसी कई और परम्पराएं हैं, जिन्हें पुनर्जीवित करने की जरुरत है। ■

इटली के प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

भारत-इटली साझेदारी को स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा

इटली की प्रधानमंत्री सुश्री जॉर्जिया मेलोनी दो मार्च को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत पहुंची। यह उनकी पहली यात्रा थी। इटली की प्रधानमंत्री के साथ उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी और एक उच्च स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया। यह पिछले पांच वर्षों में इटली के किसी शीर्ष नेता का पहला भारत दौरा था।

दोनों नेताओं ने विभिन्न मुद्दों पर सार्थक द्विपक्षीय चर्चा की। इटली के प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मामलों पर; खासतौर पर 'ग्लोबल साउथ' की समस्याओं, हितों और प्राथमिकताओं के संदर्भ में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व की सराहना की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक सहयोग पर विस्तृत बातचीत की।

संयुक्त प्रेस बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमारी आज की चर्चाएं बहुत ही सार्थक और बहुत ही उपयोगी रहीं। इस वर्ष भारत और इटली अपने द्विपक्षीय संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं और इस अवसर पर हमने भारत-इटली साझेदारी को स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि हमारे 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान से भारत में निवेश के अपार अवसर खुल रहे हैं। हमने नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, आईटी, सेमीकंडक्टर्स, दूरसंचार, अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। भारत और इटली के बीच एक स्टार्टअप ब्रिज की स्थापना की घोषणा आज हम कर रहे हैं, जिसका हम स्वागत करते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि एक और क्षेत्र है जहां दोनों देश एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं और वह है रक्षा सहयोग का। भारत में रक्षा निर्माण क्षेत्र में को-प्रॉडक्शन और को-डेवलपमेंट के अवसर बन रहे हैं, जो दोनों देशों के लिए लाभदायक हो सकते हैं। हमने दोनों देशों की सेनाओं के बीच नियमित रूप से संयुक्त अभ्यास और ट्रेनिंग कोर्सेस आयोजित करने का भी निर्णय लिया। आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और इटली कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। हमने इस सहयोग को और मज़बूत करने पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता					
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/- ☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/- ☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

शिवमोग्गा (कर्नाटक) में 27 फरवरी, 2023 को विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

अहमदाबाद (गुजरात) में 09 मार्च, 2023 को क्रिकेट के माध्यम से दोस्ती के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री एंथनी अल्बनीस

तालकटोरा स्टेडियम (नई दिल्ली) में 25 फरवरी, 2023 को दिल्ली–कर्नाटक संघ के अमृत महोत्सव 'बरिसू कन्नड़ दिम दिमावा' के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

अगरतला (त्रिपुरा) में 08 मार्च, 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया

हैदराबाद हाउस (नई दिल्ली) में 25 फरवरी, 2023 को जर्मनी के चांसलर श्री ओलाफ स्कोल्ज से मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

राष्ट्रपति भवन (नई दिल्ली) में 2 मार्च, 2023 को इटली की प्रधानमंत्री सुश्री जार्जिया मेलोनी के औपचारिक स्वागत समारोह के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh

@KamalSandesh

kamal.sandesh

KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

आवरण: अजय कुमार सिंह